शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 150 | गुवाहाटी | रविवार, 29 दिसंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

बोरवेल में छह दिन से फंसी मासूम पेज 2
राज्यपाल ने शोणितपुर जिले में विकास योजनाओं और उनकी प्रगति ... पेज 3
भजनलाल कैबिनेट का बड़ा फैसला : गहलोत राज में बने नौ नए जिले ... पेज 5
तीसरे दिन का खेल खत्म, नीतीश की शतक की बदौलत भारत 9 विकेट पर ... पेज 7

door graphy Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

कार्य का स्वरुप निर्धारित हो जाने के बाद वह कार्य लक्ष्य बन जाता है।

– आचार्य चाणक्य

पंचतत्व में विलीन हुए पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह, बेटी ने दी मुखाग्नि

नई दिल्ली (हि.स.)। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का आज राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के निगम बोध घाट पर राजकीय, पूर्ण सैन्य सम्मान और सिख परंपरा के साथ अंतिम संस्कार किया गया। डॉ. सिंह की सबसे बड़ी पुत्री उपिंदर कौर ने उनकी चिता को मुखाग्नि दी। इससे पहले उन्हें 21 तोपों की सलामी दी गई और सिख धर्मगुरुओं और परिवार के सदस्यों ने गुरबाणी का पाठ किया। निगम बोध घाट पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, भूटान के नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक, मॉरीशस के विदेशमंत्री धनंजय रामफुल, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय स्वास्थ्यमंत्री जेपी नड्डा, दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना, दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, सांसद प्रियंका गांधी, तीनों सेनाओं के प्रमुखों के साथ सीडीएस जनरल अनिल चौहान भी मौजूद रहे। कई केंद्रीय मंत्री, राजनयिक और अन्य गण्यमान्य लोग भी अपने प्रिय नेता को अंतिम विदाई देने पहुंचे। सभी ने श्रद्धासुमन अर्पित किए। सिंह के अंतिम संस्कार समारोह में हिस्सा लेने राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, कांग्रेस सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा, कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और कई पूर्व केंद्रीयमंत्री भी निगम बोध घाट पहुंचे। इससे पहले कांग्रेस मुख्यालय 24 अकबर रोड, नई दिल्ली से निगमबोध घाट तक उनकी अंतिम यात्रा निकली। कांग्रेस मुख्यालय में पार्टी नेताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि दी। डॉ. मनमोहन सिंह का पार्थिव शरीर फूलों से सजे वाहन पर रखा गया। उसके साथ चल रहे लोगों ने कांग्रेस मुख्यालय से निकलने पर रास्ते में *मनमोहन सिंह अमर रहें* के नारे लगाए। इस दौरान *जब तक सूरज चांद रहेगा, तब तक तेरा नाम रहेगा* के नारे भी गूंजे। सिंह के पार्थिव शरीर को आज सुबह 9 बजे से कुछ पहले 3, मोतीलाल नेहरू रोड स्थित उनके आवास से एआईसीसी मुख्यालय लया गया। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का गुरुवार रात दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में उम्र संबंधी चिकित्सा जटिलताओं के कारण 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। उन्हें भारत के आर्थिक सुधारों का वास्तुकार कहा जाता है। सिंह ने 2004 से 2014 के बीच 10 वर्ष तक प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने घोषणा की है कि पूर्व प्रधानमंत्री के सम्मान में पूरे देश में सात दिवसीय राष्ट्रीय शोक मनाया जा रहा है। इस दौरान पूरे देश में राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा। उधर तीनों सेनाओं ने मनमोहन सिंह के पार्थिव शरीर को सलामी दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह निगमबोध पहुंचे। भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक और मॉरीशस के विदेश मंत्री मनीष गोबिन भी पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए निगम बोध घाट पहुंचें। कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने मनमोहन सिंह को अंतिम बार निगम बोध घाट पर श्रद्धांजलि अर्पित की। पीएम मोदी के अलावा, उपराष्ट्रपति जगदीप -शेष पृष्ठ दो पर

भारत के लिए डॉ. मनमोहन सिंह की सेवाओं को सदैव याद रखा जाएगा : पीएम मोदी

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को निगमबोध घाट पर अंतिम श्रद्धांजलि देने के बाद कहा कि डॉ. सिंह की देश सेवा को सदैव याद रखा जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने श्मशान घाट पर डॉ. सिंह को अंतिम श्रद्धांजलि देने की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर साझा करते हुए लिखा कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित की। भारत के लिए उनकी सेवाओं को सदैव याद रखा जाएगा। उल्लेखनीय है कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्व पीएम के अंतिम संस्कार पर सियासत

राहुल ने मोदी सरकार पर लगाया अपमान का आरोप, भाजपा का पलटवार

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार उनके स्मारक के लिए निर्दिष्ट स्थान के बजाय निगम बोध घाट पर करके उनका अपमान करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सिंह देश के सर्वोच्च सम्मान और एक स्मारक -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

कुकी उग्रवादियों की गोलीबारी में पत्रकार घायल

इंफाल (हि.स.)। राज्य के कांगपोकपी और पूर्वी इंफाल जिले की सीमा से लगे पोरिफरल इलाके में शनिवार को संदिग्ध कुकी उग्रवादियों की गोलीबारी में एक स्थानीय वीडियो पत्रकार घायल हो गया। सेना के जवानों ने उसे राज्य मेडिसिन (अस्पताल) में भर्ती कराया है। पत्रकार का नाम लीमापोकपम कबीचंद्र बताया गया है। राज्य पुलिस -शेष पृष्ठ दो पर

2025 में पूर्ण सूर्यग्रहण नहीं

नई दिल्ली। साल 2024 में सूर्य की गतिविधियां काफी अधिक रहीं, जहां पूर्ण सूर्यग्रहण भी देखने को मिला और अरोरा लाइट्स का भी अनुभव हुआ। हालांकि 2025 में कोई पूर्ण सूर्यग्रहण नहीं होगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक मार्च और सितंबर में आंशिक ग्रहण देखने को मिलेंगे, जो कि उत्तरी अमेरिका, यूरोप और न्यूजीलैंड के कुछ हिस्सों से दिखाई देंगे। हालांकि अरोरा लाइट्स बनने के अवसर कम ही होंगे। इसके बावजूद साल 2025 में सौर्य -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य सरकार ने 2025 के लिए संशोधित अवकाश सूची की घोषणा की

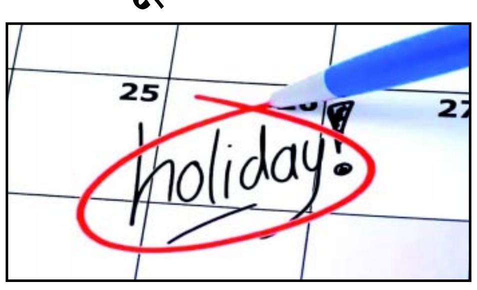

गुवाहाटी। असम सरकार ने वर्ष 2025 के लिए आधिकारिक छुट्टियों की अपनी सूची में संशोधन किया है। सरकार ने आठ तिथियों में बदलाव की घोषणा की और सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा अद्यतन कार्यक्रम जारी किया, जो वर्ष के लिए पहले से निर्धारित छुट्टियों की जगह लेगा। संशोधित सूची कई सरकारी क्षेत्रों और सार्वजनिक अनुष्ठानों को प्रभावित करने जा रही है। ये परिवर्तन राज्य द्वारा अधिक सटीक अवकाश कैलेंडर बनाने के प्रयासों का हिस्सा होंगे जो सरकारी कर्मचारियों और नागरिकों को पहले से स्पष्टता प्रदान करते हैं। यह प्रशासनिक प्रक्रियाओं को आसान बनाने और बेहतर योजना बनाने की अनुमति देगा। नई तिथियां सभी विभागों पर लागू होंगी, जो स्कूलों, सरकारी कार्यालयों और सार्वजनिक संस्थानों को प्रभावित करेंगी। विभिन्न त्योहारों की अद्यतन तिथियों में 1 मई को मई दिवस, 2 अक्तूबर को गांधी जयंती और 24 मई को मोटक राजा स्वर्गदेव -शेष पृष्ठ दो पर

छह करोड़ का ड्रग्स जब्त, सीएम ने की एसटीएफ की तारीफ

गुवाहाटी। असम में दो अलग-अलग अभियानों में लगभग छह करोड़ रुपए की नशीली दवाएं जब्द की गईं। इस मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने इसकी जानकारी दी। गुवाहाटी के स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) के जवानों ने शुक्रवार की रात पलटन बाजार के एक होटल में अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने 416 ग्राम हेरोइन जब्त की। इसकी कीमत 2.75 करोड़ रुपए बताई जा रही है। मुख्यमंत्री हिमंत -शेष पृष्ठ दो पर

हथियारबंद लोगों की गिरफ्तारी के बाद इंफाल घाटी में बंद, जनजीवन प्रभावित

प्रदर्शनकारियों ने वाहन जलाए

इंफाल। मणिपुर की इंफाल घाटी के पांच जिलों में बंद के कारण शनिवार को आम जनजीवन प्रभावित रहा। 14 दिसंबर को थौबल जिले में पुलिस के साथ मुठभेड़ में छह हथियारबंद लोगों की गिरफ्तारी और एक व्यक्ति की मौत के खिलाफ इस बंद का आह्वान किया गया था। बंद के कारण इंफाल घाटी के विभिन्न इलाकों में दुकानें और अन्य व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। साथ ही सार्वजनिक वाहन भी सड़कों पर नहीं दिखे। बंद समर्थकों ने इंफाल पश्चिम के लाम्फेल संकेथेल में सड़क पर विरोध प्रदर्शन किया और टायर जलाए। बिष्णुपुर जिले में बंद समर्थकों ने सड़कों पर चल रहे चौपहिया वाहनों में तोड़फोड़ की। पुलिस के मुताबिक, चौबीस घंटे का बंद शुक्रवार शाम छह बजे शुरू हुआ था। इस बंद का समर्थन मणिपुर की एकता के लिए समन्वय -शेष पृष्ठ दो पर

सिलचर में जल प्रदूषण की घटना में चार की मौत, दर्जनों प्रभावित

सिलचर। सिलचर के कटहल रोड स्थित भक्तपुर में दूषित पानी पीने से कम से कम चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 20 से अधिक लोग बीमार पड़ गए। माना जा रहा है कि पिछले एक सप्ताह से चल रहा यह प्रकोप भक्तपुर जल परियोजना के तहत आपूर्ति किए जाने वाले पानी में मौजूद हानिकारक पदार्थों के कारण हुआ है। यह योजना सरकार द्वारा जल जीवन मिशन के तहत शुरू की गई है। सेक्टर 4, भक्तपुर में अचानक बीमारी की लहर देखी गई, जहां दो लोगों से बीमारी की शुरुआत हुई। यह बीमारी तेजी से फैली और इलाके के लगभग -शेष पृष्ठ दो पर

अजरबैजान प्लेन क्रैश के लिए रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने मांगी माफी, गई थी 38 लोगों की जान

मॉस्को। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अजरबैजान एयरलाइंस का विमान दुर्घटनाग्रस्त होने के लिए अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव से माफी मांगी है। हालांकि, उन्होंने विमान हादसे के लिए जिम्मेदारी नहीं ली है। गौरतलब है कि 25 दिसंबर को बाकू से रूस जा रहा अजरबैजान एयरलाइंस का विमान कजाखस्तान के अकताउ के पास क्रैश हो गया था, जिसमें 38 यात्री मारे गए थे। सूत्रों ने यूरो न्यूज के हवाले से बताया कि क्रेमलिन सूत्रों के अनुसार, पुतिन ने बुधवार को हुए घातक विमान हादसे के बाद अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव को फोन करके माफी मांगी है। साथ ही उन्होंने पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी और सच्ची संवेदना भी व्यक्त की है। रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति अलीयेव के साथ फोन कॉल के दौरान पुतिन ने कहा कि विमान ने चेचन्या की राजधानी ग्रोज्नी में हवाई अड्डे पर उतरने का बार-बार प्रयास किया था। पुतिन ने दावा किया कि उस समय ग्रोज्नी के साथ-साथ मोजदोक और व्लादिकाव्काज शहरों पर यूक्रेनी लड़ाकू ड्रोन द्वारा हमला किया गया था और रूसी वायु रक्षा प्रणालियों ने इन हमलों को विफल कर दिया। इस बीच, अल जजीरा की रिपोर्ट के -शेष पृष्ठ दो पर

संभल में फायरिंग, शीशे तोड़े ड्राइवर के पैर में लगी गोली

संभल। किराए पर दिए गए टेंपो के हिसाब को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हुआ, जिसमें टेंपो और बाइकों पर सवार करीब एक दर्जन लोगों पर एक बोलेरो कार पर लाठी डंडों के प्रहार से शीशे तोड़कर फायरिंग करने का आरोप लगाया गया है। कार ड्राइवर के पैर में गोली लगी है। चंदौसी कोतवाली क्षेत्र के गांव पतरौआ के सचिन कुमार शर्मा पुत्र कुंवरपाल अपने चार साथियों के साथ बोलेरो कार से बहजोई आए थे। शनिवार की शाम करीब चार बजे कलेक्ट्रेट के निकट बड़े मैदान के सामने उन्होंने एक व्यक्ति को मिलने के लिए बुलाया -शेष पृष्ठ दो पर

तालिबान का काउंटर अटैक पाकिस्तान की दो चौकियों पर कब्जा

काबूल। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच युद्ध की स्थिति बन रही है। पाकिस्तान की ओर से अफगानिस्तान पर लगातार एयर स्ट्राइक हो रही है, जिसकी वजह से दोनों के बीच तनाव काफी बढ़ गया है। इसी बीच तालिबान के 15 हजार लड़ाके पाकिस्तान की ओर बढ़ रहे हैं। तालिबान के लड़ाकों से निपटने के लिए पाकिस्तान की सेना और वायुसेना ने पेशावर और क्वेटा में सेना तैनात कर दिया है। सीमा पर डटे हैं तालिबान के लड़ाके और पाकिस्तान की सेना पाकिस्तानी सेना की कुछ टुकड़ियां अफगान सीमा पर पहुंच गई है। दूसरी ओर अफगान के तालिबान लड़ाके मीर अली सीमा पर पहुंच चुके हैं। शनिवार को अफगानिस्तान की तालिबान सेना ने पाकिस्तान सीमा के नजदीक गोलीबारी की। वहीं, -शेष पृष्ठ दो पर

चटगांव बंदरगाह पर विस्फोटकों का जखीरा

भारत में आतंक फैलाने की साजिश का खुलासा

ढाका (हि.स.)। पाकिस्तान से आए बड़े पैमाने पर विस्फोटकों का जखीरा बांग्लादेश के चटगांव बंदरगाह पर उतरने की खबर ने भारत के लिए नई चिंता खड़ी कर दी है। ये विस्फोटक, जिन्हें *सिस्मिक इमल्शन* के नाम से जाना जाता है, बड़े निर्माण कार्यों को ध्वस्त करने और भारी जनहानि करने में सक्षम हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई इन विस्फोटकों को बांग्लादेश के आतंकवादी संगठनों तक पहुंचाने की योजना बना रही है, जिसका उपयोग भारत के पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर राज्यों में अशांति फैलाने के लिए किया जा सकता है। पाकिस्तानी -शेष पृष्ठ दो पर

तनाव के बावजूद भारत ने बांग्लादेश को भेजा लाखों टन चावल

नई दिल्ली। बांग्लादेश में शेख हसीना के तख्तापलट और देश छोड़कर भारत में शरण लेने के बाद राजनीतिक अस्थिरता का माहौल बना हुआ है। इस दौरान हिंदुओं पर अत्याचार, मंदिरों पर हमले और आगजनी की घटनाएं भी सामने आईं। इसके बावजूद भारत ने अपने पड़ोसी देश की आर्थिक मदद करते हुए 2 लाख टन चावल भेजने का फैसला किया है। 27,000 टन चावल की पहली खेप चटगांव बंदरगाह के जरिए बांग्लादेश पहुंच चुकी है। यह चावल भारत और बांग्लादेश के बीच हुए 2 लाख टन चावल के निर्यात समझौते का हिस्सा है। बांग्लादेश के एक खाद्य अधिकारी के अनुसार, हाल की -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

बोरवेल में छह दिन से फंसी मासूम

मां रो-रो कर प्रशासन से लगा रही गुहार

जयपुर (हिंस)। कोटपूतली में 700 फीट गहरे बोरवेल में फंसी चेतना तक पहुंचने के लिए रेस्क्यू टीम के जवानों को अब नीचे भेजा जा रहा है। वे 170 फीट तक उतरकर 10 फीट की सुरंग खोदेंगे। हालांकि, अब भी अधिकारी कहने से बच रहे हैं कि कितनी देर में चेतना तक पहुंचेंगे। एक बार में दो जवान नीचे उतरे हैं। तीन टीमें बनाई गई हैं। इससे पहले प्रशासन के बार-बार बदलते प्लान और अब बारिश ने रेस्क्यू को लंबा कर दिया है। परिवार-ग्रामीणों ने भी प्रशासन पर लापरहवाही के आरोप लगाए हैं। चेतना के ताऊ शुभराम ने कहा कि अधिकारी जवाब नहीं देते हैं। ज्यादा पूछो तो कहते हैं कि कलेक्टर मैम बताएंगी। चेतना की मां धोली देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। वो बार-बार हाथ जोड़कर बच्ची को बाहर निकालने की गुहार लगा रही हैं। कोटपूतली में 700 फीट गहरे बोरवेल में 150 फीट पर फंसी तीन साल की चेतना को निकालने के लिए लगातार छठें दिन रेस्क्यू आपरेशन जारी है। रेस्क्यू में लगी टीमों ने शनिवार सुबह तक केसिंग पाइप वेल्डिंग का काम पूरा कर लिया था। किरतपुरा के बड़ियाली की ढाणी की चेतना 23 दिसंबर को 700 फीट गहरे बोरवेल में गिर गई थी। बच्ची की मां धोली देवी ने एक बार फिर प्रशासन से उनकी बेटी को बाहर निकालने की गुहार लगाई है। छह दिन से बोरवेल में फंसी मासूम चेतना की मां रो-रो कर प्रशासन से यही गुहार लगा रही है कि भगवान के लिए मेरी बच्ची को बाहर निकाल दो। चेतना को निकालने के लिए दो दिन पहले पाइलिंग मशीन से बोरवेल के समानांतर करीब 170 फीट का गड्ढा खोदा गया था। बताया जा रहा है कि रैट माइनर्स पाइप के जरिए इस गड्ढे में उतरेंगे। इसके बाद वे गड्ढे से बोरवेल तक 10 फीट की सुरंग खोदेंगे। देसी जुगाड़ से उसे रेस्क्यू टीमें चेतना को केवल 30 फीट ऊपर ला सकी थीं। मासूम करीब 116 घंटे से भूखी-प्यासी है और चार दिन से कोई मूवमेंट नहीं कर रही है। एनडीआरएफ इंचार्ज योगेश कुमार मीणा ने बताया कि गुरुवार रात से ही बारिश की वजह से बार-बार रेस्क्यू ऑपरेशन रोकना पड़ रहा है। हमने जो पांच पाइप अंदर डाले हैं, उनको वेल्ड कर रहे थे, लेकिन बारिश की वजह से परेशानी हो रही है। अभी पांच पाइपों को वेल्ड किया जा चुका है। इसके साथ पाइप का वजन काफी ज्यादा है, पहले वाली मशीन वजन सहन नहीं कर पा रही थी। हमें 100 टन क्षमता की हाइड्रा मशीन मंगवानी पड़ी है। एक बार वेल्डिंग का काम पूरा हो जाएगा। इसके बाद ही टीम नीचे उतरेगी और खुदाई शुरू की जाएगी। इसमें भी समय लग सकता है।

जरूरतमंदों को बांटे कंबल

धुबड़ी (हिंस)। धुबड़ी जिला जमीयत उलेमा की ओर से शनिवार को शहर में जरूरतमंदों और दिव्यांग लोगों के बीच कंबल का वितरण किया गया। जमीयत उलेमा ने 500 से अधिक लोगों में कंबल वितरित किए। कंबल वितरण के अवसर पर अधिवक्ता अबू ताहिर अली बेपारी, धुबड़ी जिला अध्यक्ष नब्बर रहमान, सचिव जैन उद्दीन, समाजसेवी और धुबड़ी जिला जमीयत के सलाहकार शेख मुजीबुर रहमान, महमूदुल इस्लाम और समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे। उधर मंगलदै पुलिस ने ड्रग्स के खिलाफ अभियान में बड़ी सफलता हासिल की। गुप्त सूचना के आधार पर गुवाहाटी से आ रही एक अल्ट्रा बस में आज तलाशी अभियान चलाकर खारूपेटिया के निवासी निजाम अली नामक युवक को गिरफ्तार किया गया। निजाम अली के पास से प्लास्टिक के तीन साबुनदान में छिपाकर रखे गए कुल 32 ग्राम ड्रग्स बरामद किए गए। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आगे की कार्रवाई जारी है।

बांग्लादेश में इस्लामिक कट्टरपंथियों के अत्याचार जारी

हिंदू महिला की गैंगरेप के बाद जबरन जहर खिला कर हत्या

ढाका। बांग्लादेश में मुहम्मद यूनुस की अगुवाई वाली इस्लामिक कट्टरपंथी सरकार के तहत हिंदू समुदाय पर लगातार हमले हो रहे हैं। इसके बावजूद, अंतरिम सरकार पर कोई असर नहीं दिख रहा और वे वैश्विक दबावों को नजरअंदाज करते हुए यह दावा कर रही है कि स्थिति सामान्य है। यह संकट तब और गहरा गया जब बांग्लादेश के नरैल जिले में एक 52 वर्षीय हिंदू महिला, बसना मलिक, के साथ सामूहिक बलात्कार कर उसे ज़हर खिला कर हत्या कर दी गई। इस घटना ने हिंदू समुदाय के खिलाफ बढ़ते हमलों और सरकार की निष्क्रियता को उजागर किया है। सरकार की ओर से इन मामलों में कोई ठोस कार्रवाई न किए जाने के कारण अल्पसंख्यक समुदाय के बीच डर और आक्रोश बढ़ रहा है, और उन्हें न्याय की उम्मीद कमजोर होती जा रही है। बांग्लादेश के नरैल जिले में 52 वर्षीय हिंदू महिला बसना मलिक की मौत के सामूहिक बलात्कार और आत्महत्या का आरोप लगाया जा रहा है। 24 दिसंबर को बसना मलिक अपने घर लौटीं, और उसी रात उनकी तबियत बिगड़ गई। अगले दिन उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि बसना के साथ सामूहिक बलात्कार किया गया और फिर उसे जहर खिला दिया गया। बसना के बेटे रिंकू ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि उसकी मां के साथ क्रूरता की गई और वह इस अपराध के दोषियों को सजा दिलवाना चाहता है। पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है। कुछ गांववालों के अनुसार, बसना का एक व्यक्ति से अफेयर था और कुछ स्थानीय युवकों ने उसे रंगेहाथ पकड़ने के बाद शारीरिक उत्पीड़न किया। इसके बाद बसना ने शर्म और मानसिक तनाव के कारण जहर पी लिया। पुलिस ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के असल कारण का खुलासा होगा। यह घटना बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय पर हो रहे बढ़ते हमलों का हिस्सा है। शेख हसीना के शासन के दौरान इस समुदाय पर हमले तेज हो गए हैं, जिसमें धार्मिक स्थलों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया जा रहा है। यह हिंसा बांग्लादेश सरकार और मानवाधिकार संगठनों के लिए गंभीर चिंता का विषय बन चुकी है।

जनता दरबार में 10 में से तीन मामले का निष्पादन

किशनगंज (हिंस)। सदर थाना सहित जिले के सभी थानों में शनिवार को जमीनी विवाद के निपटारे को लेकर जनता दरबार लगाया गया, जिसमे तीन मामले का निष्पादन मौके पर किया गया। जनता दरबार में कुल 10 मामले सामने आए। सदर थाना में सीओ राहुल कुमार व पुलिस पदाधिकारी की मौजूदगी में जनता दरबार लगाया गया, जिसमें फरियादी जमीन संबंधी विवादों को सुलझाने थाना पहुंच रहे थे।

गुरुग्राम प्रशासन ने सर्दी से बचाव के लिए जारी की एडवाइजरी

गुरुग्राम (हिंस)। ठंड व शीतलहर से बचाव के लिए क्या करें और क्या न करें, इस सम्बन्ध में हरियाणा राज्य राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से एडवाइजरी जारी की गई है। बचाव संबंधी जानकारी देते हुए डीसी अजय कुमार ने लोगों से सचेत होकर शीत लहर आपदा से बचाव का आह्वान किया है। डीसी अजय कुमार ने कहा कि शीत लहर के समय यथासंभव घर के अंदर ही रहे, ठंडी हवा से बचने के लिए कम से कम यात्रा करें। रेडियो व अन्य मीडिया से मौसम की जानकारी लेते रहें। बुजुर्ग और बच्चों का ठीक से देखभाल करें एवं ऐसे पड़ोसी जो अकेले रहते हैं। विशेषकर बुजुर्ग लोगों का हाल-चाल पूछते रहें। साथ ही यह भी सुनिश्चित करें कि आपातकालिन आपूर्ति आसानी से उपलब्ध हो। एक परत वाले कपड़े की जगह ढीली फिटिंग वाले परतदार हल्के कपड़े, हवा रोधित सूती का बाहरी आवरण तथा गर्म उनी भीतरी कपड़े पहने। शरीर की गर्मी बचाए रखने के लिए टोपी एवं जलरोधी जूतों का प्रयोग करें।

महाराष्ट्र से 13 बांग्लादेशी गिरफ्तार

मुंबई। महाराष्ट्र एटीएस ने अभियान चलाकर 13 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। ये बांग्लादेशी नागरिक अवैध रूप से भारत में रह रहे थे। गिरफ्तार लोगों में छह महिलाएं और सात पुरुष शामिल हैं। बांग्लादेशी नागरिकों के पास से फर्जी आधार कार्ड भी बरामद हुए हैं। पूछताछ में पता चला है कि आरोपी बांग्लादेशी नागरिक बीते कई वर्षों से भारत में अवैध रूप से रह रहे थे। एक अधिकारी ने बताया कि विशेष अभियान चलाकर नवी मुंबई, ठाणे और सोलापुर में पुलिस की मदद से पिछले 24 घंटों में कार्रवाई की गई। हमने सात पुरुषों और छह महिलाओं को गिरफ्तार किया है। उन पर विदेशी अधिनियम और अन्य संबंधित कानूनों के तहत तीन मामले दर्ज किए गए हैं। उन्होंने बताया कि ये बांग्लादेशी नागरिक जाली दस्तावेजों का उपयोग करके आधार कार्ड जैसे भारतीय दस्तावेज हासिल करने में कामयाब रहे थे। इससे पहले एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि एटीएस और पुलिस के संयुक्त दस्ते ने शुक्रवार रात जालना जिले से तीन बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया। आरोपी भोकरदन तालुका में क्रशर मशीनों पर काम कर रहे थे। एटीएस और स्थानीय पुलिस के संयुक्त अभियान में बांग्लादेशी नागरिकों को अनवा और कुंभारी गांवों से गिरफ्तार किया गया। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि तीनों ने भारत में अवैध रूप से काम करने के लिए अपने पहचान पत्रों में जालसाजी की थी। पुलिस अधिकारी ने कहा कि वे पिछले दो वर्षों से अवैध रूप से भारत में रह रहे थे।

अरुण जेटली की जयंती पर सिंघल ने दी श्रद्धांजलि

गुवाहाटी (हिंस)। असम के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री अशोक सिंघल ने पद्म विभूषण और पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण जेटली की जयंती पर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म *एक्स* के माध्यम से मंत्री सिंघल ने लिखा कि अरुण जेटली के प्रति हमारी गहरी श्रद्धा है। उनकी महान शख्सियत और राजनीतिक सूझबूझ हमेशा हमारे लिए प्रेरणा स्रोत बनी रहेगी। अरुण जेटली, जिन्होंने भारतीय राजनीति और प्रशासन में महत्वपूर्ण योगदान दिया, को आज उनकी जयंती पर पूरे देश से श्रद्धांजलि अर्पित की जा रही है।

No.KED/NIT-66/2023-24/2696 *Dated, Kokrajhar the 27th December, 2024*

DETAILS TENDER NOTICE

Sealed louder in prescribed Conn affixing non-refundable Court Fee Stamp of Rs. 8.25 (Rupees Eight & twenty five paisa) only subsequently to be drawn up in printed "F-2 Form" Documents with validity period of 120 (One hundred twenty) days from the date of receipt of Tenders are invited from the Registered Class-I (A, B, C) & Class-II P.W.D. Electrical Contractor under the Addl. Chief Engineer, (Electrical) Chandmari, Guwahati-3, Superintending Engineer, PWD Guwahati Electrical Circle, Fancy Bazar, Guwahtti-1 and the Registered Class-III, PWD, Kokrajhar Electrical Division, Kokrajhar of 2024-25 and having valid Electrical Contractor License for the following electrical works and will be received in the Office of the undersigned up to 2.30 p.m. of 31-12-2024 and will be opened at 3.00 p.m. of the same date. The Contractors or their authorized agents may be present at the time of opening tender.

Sl. No.	Name of work	Approx. Estimated value	Time of Completion	Cost of Tender document (in Rs.)	Earnest Money
1	Installation of Roof Top Solar System (A Step toward renewable Energy) in the Office Building of District Museum, Kokrajhar.	Rs. 18,00,000.00	90 (Ninety) Day	Rs. 500.00	General 2% (P.C.) of Tender value. 1% of Tender value in case of SC/ST/OBC

The Contractors shall be received the Tender Documents forms the Office of the Executive Engineer, PWD, Kokrajhar Electrical Division, Kokrajhar during working hour by submitting the cost of Tender Document with a non-refundable fees as indicated in the table above, by Indian crossed Postal Order payable to the undersigned up to 3.00p.m. Dated 30-12-2024 on application mentioned registration No. etc. No, application for issue of tender document will be received after the deadline as mentioned.

Sd/-
Executive Engineer, PWD,
Kokrajhar Electrical Division, Kokrajhar

IPR(BTC)-2023-24/1204

पृष्ठ एक का शेष

पंचतत्व में विलीन...

धनखड़, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह आदि ने निगम बोध घाट पर मनमोहन सिंह को दी अंतिम श्रद्धांजलि दी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने निगम बोध घाट पर देश के पूर्व पीएम मनमोहन सिंह को अंतिम श्रद्धांजलि दी। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के पार्थिव शरीर को उनके आवास से कांग्रेस कार्यालय ले जाया गया। उसके बाद निगम बोध घाट लाया गया, जहां उनका अंतिम संस्कार हुआ। इस दौरान पूर्व पीएम के पार्थिव शरीर को जिस वाहन में ले जाया जा रहा था, उसमें राहुल गांधी भी मौजूद थे।

भारत के लिए डॉ. मनमोहन...

आज निगमबोध घाट पर पूरे राजकीय सम्मान और सिख परंपरा के साथ अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार से पहले उन्हें 21 तोपों की सलामी दी गई और सिख धर्मगुरुओं और परिवार के सदस्यों ने गुरबानी का पाठ किया। इससे पूर्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने श्मशान घाट पर पूर्व प्रधानमंत्री को अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित की।

हथियारबंद लोगों की ...

समिति (कोकोमी) के छात्र और महिला संगठनों ने किया। कोकोमी कई मणिपुरी नागरिक समाज संगठनों का समूह है। पुलिस के मुताबिक, थौबल के सलुंगफाम में मुठभेड़ के बाद जिन छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है और जिस एक व्यक्ति की मौत हुई, वह प्रतिबंधित संगठन कंगलीपाक पीपुल्स रिवोल्यूशनरी पार्टी (प्रीपाक) के सदस्य थे। पुलिस ने बताया कि ये सभी लोग कथित तौर पर जबरन उगाही के कृत्यों में शामिल थे। पुलिस ने उनके कब्जे भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया, जिनमें कुछ पुलिस के चोरी के हथियार भी शामिल थे। हालांकि, बंद समर्थकों का दावा है कि वे सभी लोग गांव के स्वयंसेवक हैं,जो अपने इलाके को हथियारबंद कुकी समूहों से बचाने के लिए काम कर रहे थे। मणिपुर में पिछले साल मई से मेतेई और कुकी-जो समूहों के बीच जातीय हिंसा जारी है। इस हिंसा में ढाई सौ से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं और हजारों लोग बेघर हुए हैं।

राहुल ने मोदी सरकार ...

के पात्र हैं। राहुल ने एक्स पर लिखा कि भारत माता के महान सपूत और सिख समुदाय के पहले प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह जी का अंतिम संस्कार आज निगमबोध घाट पर करवाकर वर्तमान सरकार द्वारा उनका सरासर अपमान किया गया है। कांग्रेस नेता ने कहा कि एक दशक के लिए वह भारत के प्रधानमंत्री रहे, उनके दौर में देश आर्थिक महाशक्ति बना और उनकी नीतियां आज भी देश के गरीब और पिछड़े वर्गों का सहारा हैं। उन्होंने आगे लिखा कि आज तक सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों की गरिमा का आदर करते हुए उनके अंतिम संस्कार अधिकृत समाधि स्थलों में किए गए ताकि हर व्यक्ति बिना किसी असुविधा के अंतिम दर्शन कर श्रद्धांजलि दे पाए। राहुल ने साफ तौर पर कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह हमारे सर्वोच्च सम्मान और समाधि स्थल के हकदार हैं। सरकार को देश के इस महान पुत्र और उनकी गौरवशाली कौम के प्रति आदर दिखाना चाहिए था। राहुल के आरोपों पर भाजपा ने अब पलटवार किया है। भाजपा सांसद संबित पात्रा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी को धन्यवाद, यह भारत की राजनीति में एक नया निचला स्तर है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के कारण - हम यहां उस दिन प्रेस कांफ्रेंस करने आए हैं जब पूर्व प्रधान मंत्री का अंतिम संस्कार किया गया था। उन्होंने कहा कि भाजपा का मानना है कि मृत्यु में गरिमा होनी चाहिए। कांग्रेस जिस तरह की राजनीति कर रही है, खासकर राहुल गांधी - जिन्होंने दाह संस्कार के बारे में ट्वीट किया है, वह शर्मनाक है। पात्रा ने कहा कि हमने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन के बाद एक कैबिनेट बैठक में निर्णय लिया कि चूंकि वह प्रधानमंत्री थे और उनका कद बड़ा था, इसलिए कैबिनेट ने कांग्रेस और डॉ. सिंह के परिवार को एक पत्र लिखा, जिसमें कैबिनेट ने कहा कि हमें उनके नाम पर एक स्मारक बनाना चाहिए ताकि देश और दुनिया उन्हें उनके सकारात्मक कार्यों के लिए याद रखे। उन्होंने कहा कि स्मारक बनाने की एक प्रक्रिया होती है लेकिन दाह संस्कार एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके लिए इंतजार नहीं किया जा सकता। यह एक सीधा संवाद था जिसे हमारी पार्टी ने आगे बढ़ाया था। लेकिन, उसके बाद कांग्रेस ने जिस तरह की राजनीति की, वह दुख के दिन नहीं करनी चाहिए थी। मैं कांग्रेस और उसके समर्थकों को बताना चाहता हूं जो पद पर रहते हुए बेतुकी बातें कह रहे हैं अगर किसी ने पूर्व पीएम मनमोहन सिंह की गरिमा को नुकसान पहुंचाया है - तो वह कांग्रेस पार्टी है।

राज्य सरकार ने ...

सर्वानंद दिवस शामिल हैं। 26 मई को हरि देव की तिथि के बाद 23 अक्तूबर को श्री भुवनेश्वर साधु ठाकुर की अभिर्भव तिथि होगी। कुकी चवांग कुट का त्यौहार 1 नवंबर और वांगला त्यौहार 7 नवंबर को मनाया जाएगा। अंत में, बीर राघव मोरन दिवस 19 नवंबर को मनाया जाएगा। ये अपडेट साल के प्रमुख उत्सवों के लिए एकरूपता सुनिश्चित करते हैं। असम सरकार ने 2025 के लिए छुट्टियों के कार्यक्रम में बदलाव करके प्रशासनिक और सांस्कृतिक समारोहों का समन्वय करना आसान बना दिया है। उम्मीद है कि कुछ महत्वपूर्ण तिथियों को फिर से व्यवस्थित करने से सरकारी एजेंसियों और संस्थानों को अधिक कुशलता से योजना बनाने और पूरे साल अधिक सुचारू रूप से चलने में मदद मिलेगी।

सिलचर में जल...

हर घर को प्रभावित किया। 24 से अधिक मरीजों को सिलचर मेडिकल कॉलेज और सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया और कई का अभी भी इलाज चल रहा है। 22 दिसंबर को जब दो निवासियों की मौत हुई, तब शंकद दत्त (40) और शरीफ उद्दीन (35) की हालत भी बदतर हो गई। तीन दिन बाद दो अन्य बुजुर्ग पुतुल मियां (65) और सैदुर बरभुइयां (60) की भी मौत हो गई। स्थानीय शिकायतों के अनुसार, भक्तपुर जल परियोजना द्वारा आपूर्ति किया जाने वाला पानी प्रदूषण का स्रोत है। परियोजना और अन्य आस-पास के स्रोतों से पानी के नमूने अधिकारियों द्वारा एकत्र किए गए हैं और विश्लेषण के लिए प्रयोगशालाओं में भेजे गए हैं। स्वास्थ्य विभाग स्थिति पर सावधानीपूर्वक नजर रख रहा है, और एक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया है। प्रदूषण के कारण और पूरी मात्रा की जांच अभी भी जारी है।

छह करोड़ का ड्रग्स...

विश्व शर्मा ने बताया कि होटल से चार लोगों को पकड़ा गया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि एसटीएफ असम ने देर रात अभियान चलाकर गुवाहाटी के पलटन बाजार के एक होटल में चार तस्करों को पकड़ा गया। उनके कब्जे से 416 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। हम राज्य के युवाओं को प्रतिबंधित पदार्थों के सेवन से बचाने के लिए #AssamAgainstDrugs के अपने मिशन को जारी रखेंगे। नागांव में एक दूसरे अभियान में 3.5 करोड़ रुपए से अधिक की नशीली दवाएं जब्त की गई। इस मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। मुख्यमंत्री शर्मा ने एक्स पर इसकी जानकारी देते हुए कहा कि पकड़े गए एक व्यक्ति ने जानकारी दी थी, जिसके बाद नागांव पुलिस ने अभियान चलाकर एक वाहन को रोका और उसमें से 532.46 ग्राम हेरोइन बरामद की। इस ड्रग्स की कीमत 3.5 करोड़ रुपए है। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) में अगले साल जनवरी से ट्रेनों की संख्या सामान्य हो जाएगी। अब उतनी ही ट्रेनें चलेंगी जितनी कोविड से पहले चला करती थी। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में इसकी जानकारी दी गई। रेलवे बोर्ड के निर्णय के अनुसार, सभी एनएफआर के स्वामित्व वाली यात्री ट्रेनें नियमित नंबरों के साथ चलेंगी। विज्ञप्ति में कहा गया कि पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे ने कोविड-19 से पहले जैसा चल रहा था, वैसे ही सभी यात्री ट्रेनों को उनके नियमित नंबरों के साथ चलाने का फैसला किया है। जनवरी 2025 से सभी 60 जोड़ी यात्री ट्रेनें अपने पुराने ट्रेन नंबरों के साथ चलेंगी। 60 जोड़ी में से चार जोड़ी तिनसुकिया डिवीजन से, 19 जोड़ी लमडिंग डिवीजन से, 10 जोड़ी रंगिया डिवीजन से, छह जोड़ी अलीपुरद्वार डिवीजन से और 21 जोड़ी कटिहार डिवीजन से संचालित होंगी। सभी 60 जोड़ी ट्रेनों के स्टॉपेज और समय का विवरण आईआरसीटीसी वेबसाइट पर उपलब्ध है। गुवाहाटी एयरपोर्ट पर इस साल आने वाले विमानों और यात्रियों की संख्या में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। गुवाहाटी के गोपीनाथ बोरदोलोई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (एलजीबीआईए) का संचालन करने वाली कंपनी के मुताबिक इस साल अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों की संख्या और विमान आवागमन के मामले में रिकॉर्ड कायम हुआ है। यह संख्या *अब तक की सबसे अधिक* है। घरेलू यात्रियों की संख्या में भी वृद्धि दर्ज की गई है। 6.26 मिलियन घरेलू और 85,000 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों ने आगमन-प्रस्थान के लिए इस एयरपोर्ट का इस्तेमाल किया। घरेलू यात्रियों में से 3.09 मिलियन आगमन वाले रहे, जबकि 3.17 मिलियन यात्रियों ने यहां से दूसरी जगहों के लिए प्रस्थान किया। बात अंतर्राष्ट्रीय गंतव्यों की करें तो गुवाहाटी हवाईअड्डे से पारो, मलेशिया और सिंगापुर के लिए सीधी विमान सेवा उपलब्ध है।

अजरबैजान प्लेन क्रैश...

अनुसार, बुधवार को कजाकिस्तान के अकताउ शहर के पास अजरबैजान एयरलाइंस के यात्री विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 38 हो गई है। विमान, जिसमें 62 यात्री और चालक दल के पांच सदस्य सवार थे, अकताउ से लगभग तीन किलोमीटर दूर आपातकालीन लैंडिंग के लिए मजबूर होने के बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। रिपोर्ट के अनुसार, रूस की इंटरफैक्स समाचार एजेंसी ने कजाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री कनात बोजुम्बायेव के हवाले से कहा कि इस दुर्घटना में 38 लोग मारे गए हैं।

संभल में फायरिंग...

था, लेकिन वह व्यक्ति अपने साथ करीब एक दर्जन से अधिक लोगों को लाया और आते ही उसने कार पर लाठी डंडों से हमला कर दिया। जैसा ही कार दौड़ाई तो उन्होंने पीछा किया और चलती कार पर फायर किया, जिस गोली कार की बाडी को पार करते हुए ड्राइवर नितिन कुमार पुत्र बदन सिंह निवासी पतरौआ के पैर में जा लगी जबकि सचिन शर्मा को भी चोट आई है, अन्य लोग हमलावरों से बचने के लिए गाड़ी से उतरकर भाग गए, जिसमें एक ग्राम विकास अधिकारी भी बताए जा रहे हैं जो कि पंवासा ब्लाक में तैनात है। इस दौरान आसपास में भी लोग मौजूद थे, शोर मचाया, इसके बाद हमलावर वहां से फरार हो गए। इस संबंध में बहजोई के सीओ दीपक तिवारी ने बताया कि घटना की सूचना मिली है। मौके पर पहुंच रहे हैं। जल्द ही जानकारी करके कार्रवाई करेंगे। फायरिंग की सूचना मिली है। गोली लगने की बात अभी सामने नहीं आई है। बताया जा रहा है कि सचिन शर्मा ने कई महीने पूर्व बहजोई क्षेत्र के गांव पाठकपुर के एक अमन शर्मा को टेंपो खरीद कर किराए पर दे दिया था। काफी दिनों से उसका किराया भी नहीं दिया था और टेंपो भी गायब कर दिया था। शनिवार को पुलिस से शिकायत की गई तो पुलिस ने अमन शर्मा को हिरासत में लिया हालांकि बाद को दोनों पक्षों में समझौता हुआ, जिसके बाद दोनों पक्ष पाठकपुर से चले गए। इसी को लेकर दोनों पक्षों में विवाद बताया जा रहा है। सचिन कुमार शर्मा ने आरोप लगाया है कि पुलिस की मौजूदगी में हुए समझौता में अमन शर्मा पर कुछ रुपयों की देनदारी निकलती थी, जिन्हें देने से वह इनकार करने लगा और इसी के विरोध को लेकर उसने हमला कराया।

तालिबान का काउंटर...

जानकारी सामने आई है कि तालिबान के लड़ाकों ने पाकिस्तान दो चौकियों को तबाह कर दिया है। वहीं, कई सैनिकों के मारे जाने की खबर सामने आई है। अल जजीरा के अनुसार, अफगानिस्तान ने पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच की सीमा डूरंड रेखा को खारिज कर दिया है, जो 19वीं सदी में अंग्रेजों द्वारा खींची गई थी। तालिबान इसे सीमा के दोनों ओर पश्तूनों के बीच विभाजनकारी रेखा के रूप में देखता है। हालांकि, तालिबान के प्रवक्ता इनायतुल्ला खोवाराजमी ने कहा कि हम इसे पाकिस्तान का क्षेत्र नहीं मानते हैं। खोस्त और पख्तिया प्रांतों से लगी सीमा पर आज सुबह से झड़प चल रही है। अफगानिस्तान का पाकिस्तान के साथ एक जटिल इतिहास रहा है। अफगानिस्तान में तालिबान को स्थापित करने में पाकिस्तान ने बड़ी भूमिका निभाई थी। हालांकि, अब तालिबान पाकिस्तान को ही आंख दिखा रहा है।

भारत में आतंक फैलाने ...

जहाज से पहुंचा विस्फोटकअवामी लीग ने शनिवार को अपने सोशल मीडिया हैंडल पर इस मामले को उजागर किया। इसके मुताबिक 21 दिसंबर को कराची से आए पाकिस्तानी जहाज में ये विस्फोटक चटगांव बंदरगाह पर लाए गए। बंदरगाह के एक अधिकारी ने इन कंटेनरों की तस्वीरें जारी कीं, जिन पर लाल रंग में *विस्फोटक* लिखा हुआ था। हालांकि, बांग्लादेश की नौसेना ने इन कंटेनरों को कुछ घंटों के लिए रोका लेकिन बाद में इन्हें अज्ञात कारणों से छोड़ दिया गया। यह पहली बार नहीं है जब बांग्लादेश में पाकिस्तानी हथियारों का जखीरा मिला है। 2004 में भी चटगांव के सीयूएफएल घाट से 10 ट्रक हथियार जब्त किए गए थे, जो पाकिस्तान से बांग्लादेश लाए गए थे। तब असम का आतंकी नेता परेश बरुआ इन हथियारों के उपयोग करने की योजना बना रहा था। मौजूदा सरकार के कार्यकाल में बांग्लादेश में कट्टरपंथ तेजी से बढ़ा है। यूनुस सरकार ने पाकिस्तान के साथ मित्रता को नया आयाम दिया है और पाकिस्तानी जहाजों को बांग्लादेश के बंदरगाहों तक पहुंचने की अनुमति दी है। सूत्रों के अनुसार, आईएसआई सीधे बांग्लादेश के आतंकवादी संगठनों को हथियार और धन उपलब्ध करा रहा है। भारत के लिए बढ़ती चिंता *अंसारुल्ला बांग्ला टीम* जैसे बांग्लादेश के आतंकवादी संगठन पहले ही असम, पश्चिम बंगाल और मेघालय जैसे राज्यों में पैठ बना चुके हैं। अब चटगांव में पाकिस्तानी हथियारों का मिलना यह साफ करता है कि आईएसआई बांग्लादेश को भारत में आतंक फैलाने के लिए मोहरे के रूप में इस्तेमाल कर रहा है। यह मामला भारत के लिए सुरक्षा के लिहाज से अत्यधिक चिंताजनक है और इससे दोनों देशों के संबंधों में नया तनाव पैदा हो सकता है।

तनाव के बावजूद भारत ...

भीषण बाढ़ के चलते भविष्य में किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए यह चावल आयात किया जा रहा है। बांग्लादेश ने चावल की कीमतों को स्थिर रखने और पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित करने के लिए चावल के आयात पर सभी कर हटा दिए हैं। शून्य आयात शुल्क पर भारत से चावल मंगाया जा रहा है। साथ ही, बांग्लादेश सरकार ने 200,000 टन चावल के अतिरिक्त 100,000 टन चावल और आयात करने की योजना बनाई है। भारत में बांग्लादेश के उच्चायुक्त प्रणय कुमार वर्मा ने कहा कि भारत, बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के साथ काम करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। 5 अगस्त के घटनाक्रमों के बाद भी भारत ने अपने पड़ोसी देश के साथ बातचीत और सहयोग बनाए रखा है। भारत की यह मदद न केवल कूटनीतिक संबंधों को मजबूती देती है, बल्कि यह भी दिखाती है कि वह हर परिस्थिति में अपने पड़ोसियों का साथ देने के लिए तैयार है।

कुकी उग्रवादियों ...

मुख्यालय के सूत्रों ने बताया कि कोंगपोकपी जिले के मैदानी इलाके में स्थित एक गांव में शुक्रवार रात संदिग्ध कुकी उग्रवादियों द्वारा की गई गोलीबारी में मणिपुर पुलिस का एक जवान, एक ग्राम रक्षक और मेइतेई सशस्त्र समूह के अरामबाई तेंगल का एक सदस्य घायल हो गया। सूत्रों ने बताया कि उग्रवादियों ने शनिवार सुबह फिर से पहाड़ी की चोटी से गोलीबारी की। इस गोलीबारी में स्थानीय पत्रकार लीमापोकपम कबीचंद्र गोली लगने से घायल हो गए। कविचंद्र को जांघ में गोली लगी है। सदर पुलिस सूत्रों ने बताया कि चुराचांदपुर जिले के टी लंघईमल इलाके में शुक्रवार से मादक पदार्थ विरोधी अभियान चलाया गया है। असम राइफल्स, मणिपुर पुलिस और वन विभाग की संयुक्त टीम ने बीते दिन लगभग सात एकड़ अफीम के खेतों को नष्ट कर दिया। कुकी उग्रवादी मुख्य रूप से मादक द्रव्य विरोधी अभियान के कारण भड़क गए हैं।

2025 में पूर्ण ...

गतिविधियां चरम पर जारी रहेंगी। इसका असर पृथ्वी पर भी देखने को मिलेगा। सौर्य चक्र 25 इस साल एक महत्वपूर्ण चरण पर पहुंचेगा। जैसे-जैसे यह चक्र आगे बढ़ता है, सूर्य की किरणों, कोरोनल मास इजेक्शन (सीएमई) और भू-चुंबकीय तूफानों सहित सौर घटनाओं में वृद्धि होती है।

राज्यपाल ने शोणितपुर जिले में विकास योजनाओं और उनकी प्रगति का लिया जायजा

शोणितपुर (हिंस)। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने शोणितपुर जिले के अपने तीन दिवसीय दौरे के अंतिम दिन शनिवार को जिला मुख्यालय शहर तेजपुर में डीसी कार्यालय के कांफ्रेंस हॉल में डीसी अंकुर भराली और अन्य विभागाध्यक्षों के साथ बैठक की और सरकारी योजनाओं के किरयान्वयन को लेकर जानकारी ली। जिला आयुक्त ने राज्यपाल को जिले के लोगों के कल्याण के उद्देश्य से केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न प्रमुख योजनाओं के किरयान्वयन की जानकारी दी। राज्यपाल ने लक्ष्यों को समय पर पूरा करने की आवश्यकता पर जोर दिया। अमृत सरोवर की प्रगति पर राज्यपाल ने संबंधित अधिकारियों को भौतिक निरीक्षण करने और अमृत सरोवर के तीनों चरणों को पूरा करने में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने सुझाव

दिया कि सरोवर को वृक्षारोपण, छायादार बैठने की जगह शामिल करके आदर्श मनोरंजन स्थलों में बदलने से कार्यक्रम को अपना उद्देश्य हासिल करने में मदद मिलेगी। राज्यपाल ने शिक्षा विभाग से जिले में स्कूल छोड़ने वाले बच्चों के लिए रणनीति बनाने को भी कहा। सामाजिक प्रगति में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने अधिकारियों को जिले में शिक्षा क्षेत्र की चुनौतियों का समाधान करने में मदद का आश्वासन दिया। पर्यावरण स्थिरता पर ध्यान केंद्रित करते हुए राज्यपाल ने जिले में हरित क्षेत्र को बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को स्कूलों और पार्कों जैसे सार्वजनिक स्थानों पर वृक्षारोपण अभियान शुरू करने और इस कार्य में जन भागीदारी को प्रेरित करने की सलाह दी। टीबी मुक्त भारत अभियान की समीक्षा के दौरान राज्यपाल ने सक्षम नागरिकों को निक्षय मित्र बनने और टीबी को पूरी तरह से समाप्त करने के मिशन में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने इस लक्ष्य को प्राप्त करने में प्रशासनिक सहयोग की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्रों की कार्यप्रणाली के बारे में भी जानकारी ली तथा अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे इनकी बारीकी से निगरानी करें, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे किफायती दवाएं उपलब्ध कराकर जनता को प्रभावी सेवा प्रदान करें। राज्यपाल ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना सहित कई अन्य योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने कृषि, मत्स्य पालन, वानिकी, पीडब्ल्यूडी और पीएचई जैसे विभागों के प्रदर्शन का भी आकलन किया। इससे पहले राज्यपाल ने राज्य की प्रथम महिला कुमुद देवी के साथ तेजपुर स्थित ऐतिहासिक महाभैरव मंदिर का दौरा किया, जहां उन्होंने असम के लोगों की खुशहाली और समृद्धि के लिए प्रार्थना की। इस दौरान तेजपुर के विधायक पृथ्वीराज राभा भी मौजूद थे।

पति की हत्या के आरोप में महिला गिरफ्तार

कामरूप (हिंस)। रंगिया में पति की हत्या की आरोपी महिला को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। रंगिया के पीतांबर हाट बजाली में यह वीभत्स हत्या हुई। महिला ने कथित तौर पर बेटे और प्रेमी की सहायता से पति की कथित जान ले ली। आरोपी पत्नी की पहचान सेमिमा अख्तर तथा मृतक पति की पहचान बदीर अली के रूप में हुई है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि पत्नी ने पति की हत्या कर उसे एक अलग रूप देने की कोशिश की। व्यक्ति की मौत की खबर पाकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे तो देखा कि मृतक की गर्दन पर स्पष्ट चोट के निशान थे। स्थानीय लोग उत्तेजित हो गए। पुलिस और मजिस्ट्रेट की एक टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। आरोपी महिला सेमिमा अख्तर को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। आक्रोशित स्थानीय लोग घटना की उचित जांच कराने की मांग कर रहे हैं।

ताइक्वांडो प्रतियोगिता का विस अध्यक्ष दैमारी ने किया उद्घाटन

बाक्सा (हिंस)। बाक्सा जिलांतर्गत बारमा में आयोजित बोड़ोलैंड ताइक्वांडो प्रतियोगिता का शनिवार को असम विधानसभा के अध्यक्ष बिश्वजीत दैमारी ने उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी। असम विधानसभा अध्यक्ष दैमारी ने कहा कि असम सरकार ने खिलाड़ियों को काफी महत्व दिया है। सरकार ने राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति अर्जित करने वाले खिलाड़ियों की नियुक्ति भी की है। गौरतलब है कि इस बार बरमा हायर सेकेंडरी स्कूल के मैदान में 30वीं क्यूरिगो और 11वीं पूमसे बोड़ोलैंड ताइक्वांडो प्रतियोगिता आयोजित हो रही है। असम के धेमाजी, शोणितपुर सहित 12 जिलों के खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहे हैं।

लाओखोवा अभयारण्य में साइकिल सफारी का शुभारंभ

नगांव (हिंस)। लाओखोवा अभयारण्य के रौमारी में पर्यटकों के लिए शनिवार को साइकिल सफारी का शुभारंभ किया गया। नगांव वन समंडल अधिकारी जयंत डेका ने वन विभाग के सुतिर पार खंड वन कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में साइकिल सफारी का उद्घाटन किया। यह साइकिल सफारी लाओखोवा अभयारण्य के रौमारी बील के तट पर मथाउरी (तटबंध) के ऊपर लगभग 5 किमी की यात्रा करने में सक्षम होगी। नगांव वन मंडल अधिकारी जयंत डेका ने इस मौके पर मीडिया कर्मियों से बातचीत करते हुए बताया कि काजीरंगा अभयारण्य में पाए जाने वाले लगभग सभी जंगली जानवर जैसे गाय, बाघ, भैंस, हिरण, जंगली सूअर और अन्य प्रवासी पक्षी इस क्षेत्र में पर्यटकों को दिखाई देंगे। इस अवसर पर वर्ल्ड वाइल्ड लाइफ फेडरेशन के प्रणब बोरा, गड़ाजान के वन अधिकारी मुकुट राभा, मीडिया कर्मियों के साथ ही नगांव वन विभाग के वन कर्मचारी और ईडीसी के सदस्य उपस्थित थे।

गुवाहाटी में हेरोइन के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। शनिवार की सुबह एसटीएफ असम ने गुवाहाटी के मां लॉज के कमरा नंबर 13 में छापेमारी कर दो कुख्यात ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार तस्करों के पास से 9.58 ग्राम हेरोइन, 100 खाली शीशियां, 250 रुपए नकद, अन्य दस्तावेज, एटीएम कार्ड, पैन कार्ड तथा मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। असम पुलिस मुख्यालय द्वारा आज जारी एक बयान में बताया गया है कि गिरफ्तार किए गए ड्रग्स तस्करों की पहचान मोहिबुल अली (24) और नायब अली (38) के रूप में हुई है, जो दोनों कचारिपारा सिला, बरपेटा जिले के रहने वाले हैं।

हेरोइन समेत एक गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की जालुकबारी पुलिस ने हेरोइन की तस्करी मामले में शामिल एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। जालुकबाड़ी पुलिस ने शनिवार को बताया एसओजी डब्ल्यूजीपीडी और जालुकबारी थाना की एक टीम ने अदाबारी में छापेमारी के बाद जालुकबारी के बाबुल अली नमक व्यक्ति को ड्रग्स की तस्करी मामले में गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी के पास से 16 ग्राम संदिग्ध हेरोइन, नगद 21, 420 रुपए, स्कूटी (एएस-01डीजेड-5408) और मोबाइल हैंडसेट जब्त किया गया। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

धुबड़ी में पुलिस मुठभेड़, आरोपी घायल

धुबड़ी (हिंस)। धुबड़ी जिले के बिलासीपाड़ा के पाइकानडारा गांव में पुलिस की गोलीबारी में एक आरोपी घायल हो गया। यह आरोपी रानीगंज बाजार में गोलीबारी की घटना का मास्टरमाइंड है। 26 नवंबर की शाम रानीगंज बाजार में तीन हथियारबंद अपराधियों ने एसबीआई ग्राहक सेवा केंद्र में अंधाधुंध गोलीबारी की थी, जिसमें वाहिदुर रहमान और रतन राय समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। पुलिस ने इस घटना से जुड़े मुख्य आरोपी नूर कालाम को गिरफ्तार कर लिया था। बीती रात पुलिस ने घटना में इस्तेमाल हथियार बरामद करने के लिए पाइकानडारा गांव में छापा मारा। पुलिस के मुताबिक, हथियार बरामदगी के दौरान नूर कालाम ने भागने की कोशिश की, जिसके चलते पुलिस को गोली चलानी पड़ी। गोली नूर कालाम के दाहिने पैर में लगी। पुलिस ने घायल आरोपी को धुबड़ी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया है।

अवैध शिकारी के कब्जे से बंदूक बरामद

बिश्वनाथ (हिंस)। बिश्वनाथ जिले के बिहाली वन विभाग के बेदेती बीट के वनकर्मियों ने बिहाली अभयारण्य के अरुणाचल सीमा क्षेत्र में अवैध शिकारी के कब्जे से एक बंदूक बरामद की। नियमित गश्त के दौरान, वन रक्षक संजीव नाथ और मनेश्वर गामे ने टीम के साथ क्षेत्र का निरीक्षण करते हुए जंगल के अंदर कुछ संदिग्ध गतिविधियां देखीं। वनकर्मियों ने संदिग्धों को रुकने का निर्देश दिया, लेकिन वे भागने की कोशिश करने लगे। वनकर्मियों ने हवा में गोली चलाकर उन्हें रोकने का प्रयास किया। इसके बाद संदिग्ध मौके पर अपना सामान छोड़कर फरार हो गए। घटनास्थल से वनकर्मियों ने एक बंदूक और तीन बैटरी वाले टॉर्च बरामद किए। बिहाली के बरगांग वन क्षेत्रीय अधिकारी चंदन राजखोवा ने शनिवार को बताया कि फरार लोग अरुणाचल प्रदेश के अवैध शिकारी हो सकते हैं।

सोशल मीडिया पर वायरल तीन शिकारी गिरफ्तार

चिरांग (हिंस)। शनिवार को एसटीएफ को सूचना मिली कि बैखुंगांव के एक व्यक्ति ने वन्यजीवों का शिकार किया और उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। इसके बाद काजलगांव थाना के ओसी काजलगांव पुलिस टीम के साथ अभियान चलाकर तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों आरोपियों की पहचान दीपांकर बसुमतारी, स्वमद्वम बसुमतारी तथा बिलिपांग बसुमतारी के रूप में हुई है। असम पुलिस मुख्यालय से आज जारी एक बयान में बताया गया है कि पूछताछ के बाद आरोपियों आरोपियों के पास से एक एयर गन (सीएएल 4.0177, सीरियल नंबर बीए 05) और एक एयर गन की गोलियां बरामद की गईं। दीपंकर बसुमतारी ने यह स्वीकार किया कि उसने बिलिपांग बसुमतारी के घर में सिवेट को जान से मारा था। गिरफ्तार आरोपियों आरोपियों और जब्त हथियार को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए वन विभाग, काजलगांव के हवाले किया जाएगा।

वरिष्ठ नागरिक काव्य मंच की असम इकाई का काव्य गोष्ठी संपन्न

विश्वनाथ (विभास)। वरिष्ठ नागरिक काव्य मंच की असम इकाई का नियमित काव्य गोष्ठी का आदरणीय नरेश नाज (संस्थापक) के मार्ग दर्शन में तथा आभा चौधरी जी के नेतृत्व में आभासी (ऑनलाइन) आयोजन दिनांक 26 दिसंबर को किया गया। काव्य गोष्ठी के मुख्य अतिथि वरिष्ठ नागरिक के महाराष्ट्र मंच की अध्यक्षा श्रीमती सुवर्णा जाधव मुख्य अतिथि के रूप में शोभायमान थी। श्रीमती हेमलता गोलछा ने सरस्वती वंदना कर मंच गौरवान्वित किया तथा संचालन अध्यक्षता की। मनभावन काव्य गोष्ठी की मिसाल काव्य कुंभ नाज सर के सान्निध्य में निखर उठा। श्रीमती मनीषा पाल, लकी

दास, रुकसार पारवीन, सैयदा आनुवारा खातून, जाकिर हुसैन, विनय कुमार बुद्ध, आभा कुमारी चौधरी, हेमलता गोलछा साहित्य मनीषियों ने काव्य गोष्ठी में उपस्थित रहकर कार्यक्रम को गौरवान्वित किया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में श्रीमती आभा ने सभी साहित्यकारों का एवं मुख्य अतिथि श्रीमती सुवर्णा का स्वागत किया। इसके उपरांत मुख्य अतिथि ने मंच को संबोधित किया तथा अपनी भावना व्यक्त किए कि उन्हें असम वरिष्ठ नागरिक मंच के साहित्यकारों के साथ मंच साझा करना बहुत अच्छा लगता है। सभी रचनाकारों ने अपनो सर्वश्रेष्ठ रचना का पाठ किया जिसे अत्यंत सराहा गया। सुवर्णा जी ने सभी कवियों रचनाओं की समीक्षा करते हुए, अपनी सरस प्रस्तुति प्रस्तुत की। कार्यक्रम का औपचारिक रूप से समापन जी के आभार वक्तव्य से हुआ।

असम भाषिक संख्या लघु उन्नयन बोर्ड ने लाभार्थियों के बीच 54 ई-रिक्शा व 328 पानी के फिल्टर व प्रेशर कुकर किए वितरित

होजाई (निसं)। असम भाषिक संख्या लघु उन्नयन बोर्ड द्वारा आज होजाई के स्वामी विवेकानंद क्रीडागन में लाभार्थियों के बीच 54 ई-रिक्शा व 328 पानी के फिल्टर व प्रेशर कुकर विस्तृत किए गए। इस अवसर पर एक सभा आयोजित की गई सभा को संबोधित करते हुए होजाई के जिला आयुक्त विद्युत विकास भगवती ने कहा राज्य सरकार असम के लोगों के उन्नति के लिए निरंतर कार्य कर रही है और उसी के तहत आज यह कार्यक्रम आयोजित हो रहा है जिसमें आज लाभार्थियों को ई रिक्शा प्रेशर कुकर वाटर फिल्टर आदि प्रदान किया जा रहे हैं। लोगों को चाहिए कि वह इन सामानों का सदुपयोग करें। उन्होंने आगे कहा सरकार आपको सुविधा उपलब्ध करवा सकती है किंतु बाकी काम आम जनता को ही करना होगा जनता कैसे इन सुविधाऔ का लाभ उठाती है वह महत्वपूर्ण है। वही कार्यक्रम को संबोधित करते हुए असम भाषिक

संख्या लघु उन्नयन बोर्ड के अध्यक्ष शिलादित्य देव ने सर्वप्रथम भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने आगे इस कार्यक्रम के उद्देश्य की व्याख्या करते हुए कहा कि जब उन्हें इस बोर्ड का कार्यभार असम के मुख्यमंत्री द्वारा दिया गया तब उन्हें समझ में नहीं आया कि इस बोर्ड का काम क्या है। किंतु जैसे ही उन्होंने इसका पदभार संभाला तब उन्हें पता चला कि इसमें आम जनता की सेवा करने के कई अवसर उपलब्ध हैं और उसी के परिणाम स्वरुप वह निरंतर उन्नयन मूलक कार्य करते जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि पूरे असम में छह जगहों पर इस तरह के कार्यक्रम होंगे जिसमें कोकराझाड़, हैलाकांदी, बारक वैली, अपर असम, मध्यअसम शामिल है और इस प्रकिरया में लाभार्थियों द्वारा ऑनलाइन पंजीकरण के बाद ही उन्हें यह सुविधा मिल पाई है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी इस तरह के उन्नयन मूलक कार्यक्रम जारी रहेंगे। इस दौरान मंच पर आसीन थे असम भाषिक संख्या लघु उन्नयन बोर्ड के मेंबर सेकरेटरी सरमन अली अहमद, होजाई पौर सभा की सभानेत्री चतुर्थी रानी विश्वास, असम भाषिक संख्या लघु उन्नयन बोर्ड के अकाउंटेंट मुकीबुर रहमान। वही इस दौरान कार्यक्रम स्थल पर भारी संख्या में लाभार्थी उपस्थित थे।

नलबाड़ी में लगी भयावह आग, लाखों की संपत्ति राख

नलबाड़ी (हिंस)। नलबाड़ी जिला शहर के बरकुरा इलाके में आज सुबह करीब 10-30 बजे के आसपास भयावह आग लग गई। यह घटना निभारानी देवी के मकान से सटे किराए के कमरे में घटी। आग की शुरुआत एक अन्य किरायेदार अमर बेजबरुवा के कमरे से होने की सूचना है। इस आग में किराएदार अमर बेजबरुवा का कमरा पूरी तरह जलकर राख हो गया। मौके पर दो दमकल की गाड़ियां पहुंचीं और आग पर काबू पाया। इस भयंकर आग में लाखों रुपए की संपत्ति के नुकसान का अनुमान पुलिस ने जताया है। फिलहाल पुलिस पड़ताल में जुटी हुई है। कुछ लोगों का मानना है अगर इस आग पर काबू नहीं पाया जाता तो स्थिति भयानक होती।

बीटीआर सरकार गुवाहाटी में सामुदायिक विजन दस्तावेज का करेगी अनावरण

गुवाहाटी (विभास)। बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र की सरकार बीटीआर सामुदायिक विजन दस्तावेज का भव्य अनावरण आयोजित करेगी, जिसका उद्घाटन असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोरो और असम के कैबिनेट मंत्रियों की उपस्थिति में 30 दिसंबर 2024 को आईटीए मचखोवा, गुवाहाटी में करेंगे। विजन दस्तावेज में बोडो, गारो, राभा, हाजोंग, मादाही कचारी, बरमन मंडई, बरमन कचारी, नाथ योगी, सूत्रधार, केओट, गोरिया, कलिता, हिंदी भाषी, गोरखा, सरानिया कचारी, कोच राजबोंगसी, मुस्लिम, आदिवासी, संथाल, कुरुख, मुंडा, ओडिया, देसी, जोल्हा, बंगाली और एससी समुदायों की आकांक्षाओं और रणनीतिक लक्ष्यों को दर्शाया गया है, जिसमें बीटीआर के भीतर नामसुद्र, कैबार्टा, माली (भुईमाली), हीरा, बंगाली सूत्रधार, पटनी, मुची (होरिजन) शामिल हैं। इस पहल का उद्देश्य पूरे क्षेत्र में समावेशी विकास, एकता और सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है। अनावरण के बाद, चीफ बोरो द्वारा एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित किया जाएगा। बीटीआर समुदाय विजन दस्तावेज में उल्लिखित उद्देश्यों, प्रमुख पहलों और भविष्य की गतिविधियों पर एक विस्तृत जानकारी प्रदान की जाएगी, जिसे क्षेत्र के विकास और प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है।

सम्मेलन की महिला शाखा ने सदस्याओं के लिए किया ज्ञानवर्धक कार्यक्रम

गुवाहाटी (विभास)। मारवाड़ी सम्मेलन महिला शाखा ने शाखा अध्यक्ष संतोष शर्मा की अध्यक्षता में शाखा की 150 महिला सदस्याओं को साथ लेकर ग्वालपाड़ा जिले के बोको के पास राजाबाड़ी इलाके में ज्ञानवर्धक भ्रमण यात्रा की। जिसमें शाखा सदस्याओं को चित्रनाला खेती के बागान में भ्रमण करा कर चित्रनाला खेती के बारे में समझाया एवं चित्र नाला से मेहंदी के तेल बनाने की पद्धति को भी दिखाया। इसके अलावा हथकरघा से स्वावलंबी महिलाओं द्वारा सिल्क की साड़ी बनाने की प्रकिरया को भी सदस्योंओं ने गौर से देखा। इससे पहले सभी सदस्याओं ने राजा बाड़ी स्थित हनुमान मंदिर में दर्शन व अर्चना कर भजन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम को मनोरंजन पूर्ण बनाने के लिए विभिन्न तरह के मनोरंजन खेल व गीत नृत्य आदि का कार्यक्रम भी किया गया तथा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली सदस्याओं को उपहार देकर पुरस्कृत किया गया। शाखा अध्यक्ष संतोष शर्मा ने बताया कि वर्ष भर सामाजिक कार्यों में अपना समय देने वाली सदस्याओं के मनोरंजन को ध्यान में रखते हुए हर वर्ष

नए साल के आगमन को देखते हुए एक भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। जिसमें सदस्याओं के मनोरंजन के साथ-साथ ज्ञानवर्धक कार्यक्रम का भी ध्यान रखा जाता है। इसी कड़ी में राजाबाड़ी में चित्रनाला खेती व उससे बनाए जाने वाले मेहंदी तेल की फैक्ट्री का दर्शन सदस्याओं को कराया गया। शाखा जनसंपर्क सचिव संतोष काबरा ने बताया कि शाखा का वर्ष भर के लिए आयोजित मातृ सम्मान कार्यक्रम के अंतर्गत स्वावलंबी महिला मधु जैन एवं वरिष्ठ महिला अनंता चौधरी का भी सम्मान किया गया।

मृणालिनी देवी शर्मा ने किया ब्रह्मपुत्र रिवरक्रूज द *ग्रैंड शिकारा* का शुभारंभ

गुवाहाटी (विभास)। फैंसी बाजार के एमजी रोड स्थित राजाद्वार घाट पर आज रिवर क्रूज *द ग्रैंड शिकारा* का शुभारंभ किया गया। असम साहित्य सभा की पूर्व उपाध्यक्ष तथा अखिल भारतीय साहित्य परिषद असम की अध्यक्ष मृणालिनी देवी ने विधिवत इस रिवर क्रूज को विधिवत उद्घाटन किया। इस मौके पर द ग्रैंड शिकारा के पार्टनर अभिषेक क्याल, अमित क्याल, देबिका दास व मोहम्मद जाफर सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे। इस मौके पर मुख्य अतिथि मृणालिनी देवी शर्मा ने अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस रिवर क्रूज के जरिए स्थानीय लोग ही नहीं बल्कि पर्यटक भी महाबाहू ब्रह्मपुत्र नद की शांत लहरों

के बीच प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद ले सकते हैं। क्रूज के पार्टनर अभिषेक क्याल ने बताया कि द ग्रैंड शिकारा ऑन बुकिंग के आधार पर उपलब्ध होगी, जिसमें न्यूनतम 20 लोगों की बुकिंग अनिवार्य है। क्रूज में एक साथ 40-45 लोगों के बैठने की व्यवस्था है। साथ ही ग्राहकों की मांग पर वेज व नॉनवेज मेन्यू तैयार किए जाते हैं। इस दौरान पार्टनर अमित क्याल ने कहा कि ब्रह्मपुत्र के बीचोबीच क्रूज पर आगामी नववर्ष तथा पिकनिक के अलावा सनसेट, बर्थडे, वैवाहिक सालगिरह, किटी पार्टी, बालिचर पर टापू पार्टी, धार्मिक स्थल दर्शन सहित अन्य छोटे-मोटे आयोजन प्री-बुकिंग के आधार पर किया जा सकता है। पार्टनर देबिका दास व मोहम्मद जाफर ने बताया कि द ग्रैंड शिकारा रिवर क्रूज के जरिए ब्रह्मपुत्र पर संगीत का भी आनंद लिया जा सकता है। उन्होंने आशा जताई कि यह रिवर क्रूज लोगों को काफी आकर्षित करेगा।

रूपहीहाट में ड्रग्स से भरे पांच कंटेनर जब्त, दो तस्कर गिरफ्तार

नगांव (हिंस)। रूपहीहाट पुलिस ने ड्रग्स के खिलाफ चल रहे अभियान में आज बड़ी सफलता हासिल की। रूपहीहाट तीनिआली इलाके में पुलिस ने छापा मारकर ड्रग्स से भरे पांच कंटेनर बरामद किए और दो तस्करों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार तस्करों की पहचान मैनुल हक और नाइस अहमद के रूप में हुई है। पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही है। रूपहीहाट के विभिन्न क्षेत्रों में पुलिस द्वारा प्रतिदिन ड्रग्स के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस ने कहा है कि ड्रग्स के नेटवर्क को खत्म करने के लिए अभियान को और तेज किया जाएगा।

संपादकीय

फिर नदी जोड़

यह सुखद ही है कि जिन अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्री काल में बढ़ते जल संकट के समाधान के रूप में मेगा नदी जोड़ परियोजनाओं की कल्पना की गई थी, उनकी जन्मशती के अवसर पर उस सपने को साकार करने का सार्थक प्रयास शुरू हुआ है। लेकिन यह विडंबना ही है कि इस तरह की पहली परियोजना केन-बेतवा-लिंक परियोजना को सिरे चढ़ाने की दिशा में शुरुआत करने में चार दशक लग गए। निस्संदेह, यह एक महत्वाकांक्षी परियोजना है, लेकिन विलंब से काम शुरू होने से इसकी लागत में भी अच्छा-खासा इजाफा हो चुका है। निस्संदेह, ऐसे देश में जहां विश्व की अट्ठारह फीसदी आबादी रहती हो और दुनिया का सिर्फ चार फीसदी पीने का पानी उपलब्ध हो, भविष्य के जलसंकट का सहज अनुमान लगाया जा सकता है। शिलान्यास कार्यक्रम के वक्त प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी कि जल सुरक्षा 21वीं सदी की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है, नदी जोड़ परियोजना के प्रति सरकार के दृढ़ संकल्प की ओर संकेत देती है। निर्विवाद रूप से जलाशयों और नहरों के माध्यम से पानी के अधिशेष को जल संकट वाले इलाके की नदियों को स्थानांतरित करना, निश्चय ही सूखे की मार झेल रहे इलाकों का भाग्य बदलने जैसा ही है। लेकिन यह भी जरूरी है कि पर्यावरणीय जोखिमों का वैज्ञानिक ढंग से आकलन किया जाए। पर्यावरण वैज्ञानिक व पर्यावरण संरक्षण से जुड़े स्वयंसेवी संगठन प्रकृति के साथ खिलवाड़ की चिंताएं लगातार जताते रहते हैं। उनका मानना रहा है कि नदियों के प्राकृतिक प्रवाह में बाधा पहुंचने से पारिस्थितिकीय संतुलन प्रभावित हो सकता है। निस्संदेह, पर्यावरणीय संतुलन जरूरी है लेकिन जल संकट का समाधान निकालना भी उतना ही जरूरी है। दरअसल, राष्ट्रीय जल विकास एजेंसी ने 168 बिलियन डॉलर के प्रस्तावित बजट वाली हिमालयी और प्रायद्वीपीय क्षेत्रों के लिये तीस लिंक परियोजनाओं की पहचान की है। निश्चित रूप से पानी के समुचित वितरण, बाढ़ नियंत्रण, सूखे से मुकाबले और जलविद्युत उत्पादन में अधिक समानता के लिये ऐसी परियोजना की तार्किकता साबित होती है। इसके बावजूद पर्यावरणीय चुनौतियों पर ध्यान देने की भी सख्त जरूरत है। शोध अध्ययनों में दावा किया गया है कि हाइड्रो-लिंकिंग परियोजनाएं मानसून के चक्र में बदलाव ला सकती हैं। साथ ही परेशानी करने वाली जटिल जल-मौसम विज्ञान प्रणालियां विकसित हो सकती हैं। ऐसे में संभावित पारिस्थितिकीय क्षति की आशंका से इनकार भी नहीं किया जा सकता। निस्संदेह, इस दिशा में आगे चलकर व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाना जरूरी हो जाता है। परियोजनाओं को क्रियान्वित करने वाले नीति-नियंताओं को फिर से परियोजना को तैयार करने पर संभवित प्रतिक्रिया का विश्लेषण करने के लिये तैयार रहना चाहिए। केन-बेतवा परियोजना के जरिये जटिल पर्यावरणीय पैटर्न का समाधान प्रदान करने के लिये विज्ञान सम्मत पहल होनी चाहिए। इसके लाभ व हानि के पक्ष का मंथन भी जरूरी है। यह विडंबना ही है कि आज भी जल संरक्षण के लिये सामूहिक पहल सार्वजनिक नीति में एक गायब कड़ी बनी हुई है। ऐसे में बड़े पैमाने पर बड़ी परियोजनाओं को प्राथमिकता देने के साथ-साथ, सरकार को कुशल सिंचाई परियोजनाओं, अपशिष्ट जल के पुनर्चक्रण और प्रदूषित पानी की स्वच्छता के लिये सस्ती प्रौद्योगिकियों के विकास पर अनुसंधान में तेजी लाने की जरूरत है। साथ ही पर्याप्त वित्तीय समर्थन की भी जरूरत है। बताया जा रहा है कि केन-बेतवा योजना के सिरे चढ़ने से मध्य प्रदेश की आठ लाख हेक्टेयर से अधिक व उत्तर प्रदेश की ढाई लाख हेक्टेयर भूमि को सिंचाई की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

निर्विवाद रूप से जलाशयों और नहरों के माध्यम से पानी के अधिशेष को जल संकट वाले इलाके की नदियों को स्थानांतरित करना, निश्चय ही सूखे की मार झेल रहे इलाकों का भाग्य बदलने जैसा ही है। लेकिन यह भी जरूरी है कि पर्यावरणीय जोखिमों का वैज्ञानिक ढंग से आकलन किया जाए। पर्यावरण वैज्ञानिक व पर्यावरण संरक्षण से जुड़े स्वयंसेवी संगठन प्रकृति के साथ खिलवाड़ की चिंताएं लगातार जताते रहते हैं। उनका मानना रहा है कि नदियों के प्राकृतिक प्रवाह में बाधा पहुंचने से पारिस्थितिकीय संतुलन प्रभावित हो सकता है। निस्संदेह, पर्यावरणीय संतुलन जरूरी है लेकिन जल संकट का समाधान निकालना भी उतना ही जरूरी है। दरअसल, राष्ट्रीय जल विकास एजेंसी ने 168 बिलियन डॉलर के प्रस्तावित बजट वाली हिमालयी और प्रायद्वीपीय क्षेत्रों के लिये तीस लिंक परियोजनाओं की पहचान की है।

मेले में यात्रियों के लिए समुचित प्रबंध योगी आदित्यनाथ सरकार ने किए

कृत्रिम बुद्धि की निगरानी में महाकुंभ मेला

प्रमोद भार्गव

प्रत्येक 12 साल में प्रयाग में गंगा-यमुना और अदृष्य सरस्वती नदियों के संगम पर महाकुंभ आयोजित होता है। 45 दिन चलने वाले इस कुंभ में 45 करोड़ तीर्थयात्रियों के आने की उम्मीद है। 2013 में 20 करोड़ से ज्यादा यात्री प्रयाग पहुंचे थे। इस बार दोगुने से ज्यादा लोगों के पहुंचने का अनुमान इसलिए है, क्योंकि अयोध्या में राम मंदिर बनने के साथ वाराणसी में काषी विष्वनाथ मंदिर का भी कायाकल्प हुआ है। साथ ही आवागमन के साधन बढ़े हैं। अतएव 4 तहसील और 67 ग्रामों की 6000 हेक्टेयर भूमि पर मेले में यात्रियों के लिए समुचित प्रबंध योगी आदित्यनाथ सरकार ने किए हैं।

समय के साथ देष में लगने वाले दुनिया के सबसे बड़े मेले कुंभ में भी परिवर्तन देखने में आते रहे हैं। इसी बदलाव के चलते इस बार प्रयागराज में अस्थाई रूप से निर्मित की गई 'कुंभनगरी' में 13 जनवरी 2025 से षुरू होकर 31 मार्च तक चलने वाले इस महाकुंभ में श्रद्धालुओं की निगरानी कृत्रिम बुद्धि से संचालित उपकरण करेंगे। इस हेतु कुंभनगरी का पूर्णतः डिजिटलीकरण कर दिया गया है। प्रत्येक 12 साल में प्रयाग में गंगा-यमुना और अदृष्य सरस्वती नदियों के संगम पर महाकुंभ आयोजित होता है। 45 दिन चलने वाले इस कुंभ में 45 करोड़ तीर्थयात्रियों के आने की उम्मीद है। 2013 में 20 करोड़ से ज्यादा यात्री प्रयाग पहुंचे थे। इस बार दोगुने से ज्यादा लोगों के पहुंचने का अनुमान इसलिए है, क्योंकि अयोध्या में राम मंदिर बनने के साथ वाराणसी में काषी विष्वनाथ मंदिर का भी कायाकल्प हुआ है। साथ ही आवागमन के साधन बढ़े हैं। अतएव 4 तहसील और 67 ग्रामों की 6000 हेक्टेयर भूमि पर मेले में यात्रियों के लिए समुचित प्रबंध योगी आदित्यनाथ सरकार ने किए हैं। लोगों को आवाजाही में असुविधा न हो ? इसलिए मेला प्राधिकरण और गूगल के बीच हुए समझौते के अंतर्गत आवागमन मानचित्र (नेविगेशन मैप) की सुविधा मोबाइल व अन्य संचार उपकरणों पर दी गई है। इस सुविधा से यात्री गंतव्य की स्थिति और दिशा हासिल कर सकते हैं। इस मानचित्र में मेले की धार्मिक महिमा से जुड़े नदी-घाट, मंदिर, अखाड़े, संतो के डेरे, ठहरने के स्थल, होटल और खान-पान संबंधी भोजनालयों की जानकारी एक क्लिक पर उपलब्ध होगी। 29 जनवरी को पड़ने वाली मौनी अमावस्या को सबसे बड़ा पर्व स्नान माना है। अतएव इस दिन छह से दस करोड़ लोग गंगा में स्नान करने का अनुमान है। बांकी पांच पर्वों में 2 से 8 करोड़ लोग संगम के पवित्र जल में डुबकी लगाने आ सकते हैं। वैसे तो सुरक्षा के लिए 37000 पुलिस और विभिन्न बलों के जवान तैनात रहेंगे, लेकिन इतने लोगों पर इन जवानों द्वारा निगाह रखना आसान नहीं है, इसलिए समूची कुंभनगरी में कृत्रिम बुद्धि आधारित कैमरे लगा दिए गए हैं। चप्पे-चप्पे पर लगे इन 2400 कैमरों की आंख में एआई लैंस लगे हैं। अतएव ये चेहरे पहचानकर अपराधियों पर नजर रखेंगे। इस नगरी में जगह-जगह डिजिटल और बहुभाषी टच

स्क्रीन बोर्ड लगाए गए हैं। जिन पर किसी भी प्रकार की घटना की तत्काल शिकायत दर्ज कराई जा सकेगी। ये सुविधाएं मेले में दिन-रात उपलब्ध रहेंगी। महाकुंभ के इस पर्व पर ढाई हजार करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं। कुंभ मेले का इतिहास करीब एक हजार साल पुराना माना जाता है। आदि शंकराचार्य ने इसे प्रारंभ किया था। लेकिन प्राचीन भारत की पौराणिक कथाओं के आधार पर कुंभ का आरंभ समुद्र-मंथन के समय से माना जाता है। समुद्र-मंथन की कथा दुर्वासा ऋशि के अभिषाप से जुड़ी है। इंद्र ने जब दुर्वासा का अभिवादन नहीं स्वीकारा तो उन्होंने इंद्र का वैभव नश्ट होने का श्राप दे दिया। श्राप फलीभूत हुआ। इससे मुक्ति के लिए भगवान विश्णु की सलाह पर देव और देवताओं ने मिलकर क्षीर-सागर में मंथन किया। समुद्र-मंथन के अंत में आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति के आविश्कारक वैद्य धन्वन्तरि एक हाथ में अमृत-घट और दूसरे में आयुर्वेद-ग्रंथ लेकर प्रकट हुए। अर्थात उनके कर-कमलों में मनुश्य के षारीरिक उपचार के प्रतीक रूप में जहां अमृत से भरा घड़ा था, वहीं किस रोग का उपचार कैसे किया जाए, उसकी पद्धति का पूरा षास्त्र भी था। अमृत देखते ही दानवों ने धैर्य खो दिया। वे विचलित हो गए। उसे हथियाने के लिए छीना-झपटी षुरू हो गई। इसी दौरान इंद्र ने अपने पुत्र जयंत को अमृत-कुंभ लेकर भागने का संकेत दिया। फलस्वरूप जयंत कलष छीन कर भाग खड़ा हुआ। दानव कलष छीनने के लिए जयंत के पीछे दौड़ पड़े। इस कुंभ को हड़पने के लिए देव एवं दानवों के बीच यह संघर्श 12 वर्शों तक चला। इस संघर्श के दौरान अमृत-कलष की बूंदें, जिन 12 स्थलों पर छलकीं, उसमें आठ स्थान स्वर्ग में हैं और हरिद्वार, प्रयाग, नासिक तथा उज्जैन पृथ्वी पर हैं। संघर्श में सहयोग और कलष की सुरक्षा की दृश्टि से जयंत की सहायता सूर्य, चंद्र और बृहस्पति ने की। इनके भी रक्षा के दायित्व निष्चित थे। सूर्य अमृत-कुंभ को फूटने से, चंद्रमा धरती पर गिरने से और बृहस्पति ने दानवों के हाथों में जाने से बचाया। इसीलिए दुनिया के सबसे बड़े मेले 'कुंभ' का आयोजन बृहस्पति, सूर्य व चंद्र के आकाषीय योग के अनुसार होता है। कलश प्राप्ति के संघर्श को विराम नहीं लगते देख देवता असमंजस की मनस्थिति में आकर खिन्न हो गए, तब विष्णु ने उन्हें ढांढस बंधाते हुए आश्वस्त किया, 'देवगण निश्चिंत रहें। मैं इस कलश को प्राप्त कर आपकी कामना को पूरा करने का उपाय करता हूं।' मुख से उद्घृत हुए इन शब्दों के साथ ही, विष्णु ने अत्यंत, सुंदर सुगठित देहयष्टि और चंचला प्रवृत्ति की मोहिनी स्त्री का रूप धारण कर लिया। संघर्श स्थल पर जब अप्सरा सी रूपवान स्त्री को देव व दानवों ने देखा तो एकाएक ठिठक गए। राक्षसों की मति व लालसा उस स्त्री की कांतिमयी देह की ओर आकर्शित होने लगी। देव व दानव जब एकटक निहारते हुए जड़वत हो गए तो स्त्री अवतारी विश्णु बोले, 'आप लोग किस कारण से झगड़ रहे हैं ?' इस प्रष्न के उत्तर में राक्षसों ने अमृत-कलष को लेकर छिड़े संघर्श का पूरा वृत्तांत सुना दिया। राक्षसों की कही बातें सुनकर वह स्त्री हंसी। जैसे उनकी मूढ़ता का उपहास कर रही हो। और फिर कुशलतापूर्वक राक्षसों पर वक्रदृष्टी डालते हुए बोली, 'हे दानवों ! तुम व्यर्थ ही अपना समय, शक्ति और ऊर्जा नष्ट कर रहे हो ? यदि चाहो तो मैं स्वयं ही यह अमृत एक समान भागों में बांटकर पिला सकती हूं। यदि सहमत हो तो बताओ ?' अंततः किंकर्त्तव्यविमूढ़ असुरों ने विष्व-मोहिनी के रूपजाल से सम्मोहित होते हुए अमृतपान कराने की सहमति जता दी। राक्षसों की प्रगट मंषा से अवगत होने के बाद मोहिनी ने देव और दानवों से निवेदन करके उन्हें अमृतपान के लिए अलग-अलग पंक्तियों में बिठा दिया। षंतिपूर्वक बैठने के उपरांत मोहिनी रूपी मायावी विश्णु देवताओं को अमृतपान कराते रहे, किंतु असुरों को साधारण जल पिलाते रहे। मायावी मोहिनी के रूपजाल से विस्मित सम्मोहित व विवेक खोए असुर, विष्णु की भेद से भरी इस लीला को नहीं समझ पाए। लेकिन कुछ विलक्षण प्रतिभा के धनी व्यक्तियों में प्रच्छन्न माया को भी ताड़ने की कुदरती अंतदृश्टि होती है।

दृष्टि कोण

नए रूप में साम्राज्यवादी शक्तियां

संसद के हालिया सत्र का एक बड़ा हिस्सा विवादित अमेरिकी उद्यमी जार्ज सोरोस को लेकर सत्तापक्ष एवं विपक्ष में तल्ख बयानबाजी की भेंट चढ़ गया। सोरोस उस अधिनायकवादी और साम्राज्यवादी विचारधारा के प्रतीक हैं, जो अपने वैश्विक दृष्टिकोण और व्यापारिक-रणनीतिक हितों के लिए वैश्विक भूगोल, इतिहास और संस्कृति को बदलने पर आमादा हैं। याद रहे कि पारंपरिक औपनिवेशवाद के दिन अब लद चुके हैं। अब न तो सैन्यबल से किसी समाज को नष्ट किया जाता है और न ही किसी देश पर कब्जे से। इसके बावजूद साम्राज्यवादी मानसिकता का अंत नहीं हुआ है। उसने केवल अपना चोला बदला है। अब इसके हथियार सांस्कृतिक, सामाजिक, मजहबी और आर्थिकी पर गढ़ा जाने वाला नैरेटिव है। विदेशी ताकतें लक्षित देशों में बिकाऊ लोगों की एक फौज खड़ी करती हैं, जो लोग इशारा मिलते ही उनके बनाए नैरेटिव पर अपने देश को विरूपित करना शुरू कर देते हैं। इससे माहौल बिगड़ना शुरू हो जाता है। अपने कुत्सित इरादों की पूर्ति के लिए सोरोस ने दुनिया भर में दांव लगाए हैं। इसी कड़ी में 94 वर्षीय सोरोस ने कई अमेरिकी मीडिया संस्थाओं में निवेश किया है। उनकी कुल संपत्ति 44 अरब डालर है, जिसका बड़ा हिस्सा उन्होंने 'मानवाधिकार' और 'लोकतंत्र' के नाम पर खर्च किया है। इस उपक्रम का उद्देश्य दुनिया को अपनी कल्पना के अनुरूप ढालना और अपने एजेंडे को आगे बढ़ाना है। यही कारण है कि सोरोस पर दुनिया के कई देशों की राजनीति और समाज को प्रभावित करने का आरोप है। वर्ष 1992 में इंग्लैंड के बैंकों को बर्बाद करके अकूत धन अर्जित करना, 1997 में थाइलैंड की करेंसी को गिराना, 2002 में फ्रांसीसी अदालत द्वारा अनैतिक-अनधिकृत व्यापार का दोषी ठहराना और कई देशों द्वारा सोरोस की संस्थाओं पर जुर्माना-प्रतिबंध लगाना इसके कुछ उदाहरण हैं। सोरोस और उनकी संस्था अपने नापाक एजेंडे की पूर्ति के लिए अक्सर समाजसेवा और परोपकार का मुखौटा लगाए रहते हैं। भारत सहित तमाम देश विदेशी ताकतों के व्यापक हस्तक्षेप के भुक्तभोगी रहे हैं। इसके प्रभावों की गहन पड़ताल भी हुई है। राजनयिक नरेंद्र सिंह सरीला ने अपनी पुस्तक 'विभाजन की असली कहानी' में लिखा कि अंग्रेजों ने दुनिया के इस हिस्से में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए भारत का विभाजन करके इस्लामी पाकिस्तान को जन्म दिया था। इसके लिए अंग्रेजों ने 'भारतीयों' का ही उपयोग किया। अब सोरोस जैसे लोग भी उसी काम में लगे हैं। बीते दिनों सीरिया में जो हुआ, वह किसी से छिपा नहीं। उससे पहले बांग्लादेश भी नाटकीय घटनाक्रम का साक्षी बना। यह सब विदेशी शक्तियों के हस्तक्षेप और संघर्ष का परिणाम रहा। ऐसे में सोरोस का भारत के आंतरिक मामले में बार-बार दखल देना और उन्हें मिल रहा प्रत्यक्ष-परोक्ष भारतीय समर्थन हमें इतिहास के काले पन्नों की ओर ले जाता है। क्रूर आक्रांता औरंगजेब की मृत्यु के बाद भारत में मुगल शासन कमजोर पड़ा तो मराठा परचम अटक से कटक तक लहरा रहा था। तब सूफी प्रचारक शाह वलीउल्लाह देहलवी ने अफगान शासक अहमद शाह अब्दाली को भारत पर आक्रमण के लिए लंबी चिट्ठी लिखी, क्योंकि वह 'काफिर' मराठों को पराजित कर भारत में पुनः इस्लामी राज स्थापित करना चाहता था। जब 1761 में पानीपत की तीसरी लड़ाई हुई, तब वलीउल्लाह द्वारा आमंत्रित अब्दाली को भारत में पश्तून रोहिल्लाओं, बलूचियों, शुजाउद्दौला आदि नवाबों के साथ स्थानीय मुस्लिमों का समर्थन मिला और उन्होंने मिलकर मराठों को पराजित कर दिया। इसने मराठाओं का बल घटा दिया, जो वर्ष 1803 के दिल्ली (पटपड़गंज) युद्ध में मराठों की अंग्रेजों के हाथों मिली पराजय का एक बड़ा कारण बना। वलीउल्लाह के विचार ही तालिबान के आधार रहे। यदि 18वीं शताब्दी में 'अपनों' ने अब्दाली को बुलाया नहीं होता या फिर मीर जाफर-जयचंद ने 'अपनों' को धोखा नहीं दिया होता, तो संभवतः भारत का इतिहास कुछ और होता। दुर्भाग्य से अब भी बहुत कुछ वैसा ही है। अपने निहित स्वार्थ की पूर्ति हेतु आज भी कई 'अपने' आत्मसम्मान और हितों को दांव पर लगा रहे हैं। कई अवसरों पर कांग्रेस के शीर्ष नेता राहुल गांधी असंतोष जता चुके हैं कि अमेरिका या कोई यूरोपीय देश भारत के आंतरिक मामलों पर कुछ क्यों नहीं बोलते। अगस्त 2020 में पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शिवशंकर मेनन भी एक लेख के माध्यम से तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा मोदी सरकार को अपनी नीतियां लागू करने के लिए 'फ्री-पास' देने पर आपत्ति जता चुके थे। ऐसे उदाहरण अंतहीन हैं।

कुछ अलग

वक्त की आवाज़

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने अमरावती में दिए वक्तव्य में धर्म के नाम पर पैदा की जा रही गलतफहमियां दूर करने की बात कही। उन्होंने कहा कि राममंदिर बनना तो ठीक है लेकिन इस तरह के नये-नये मंदिर विवाद खड़ा करना देश की सामाजिक समरसता के लिये ठीक नहीं है। उन्होंने स्वीकारा कि विविधता हमारा वर्तमान तो है लेकिन ये हमारे अतीत का हिस्सा भी रहा है। देश में विभिन्न धर्म-संस्कृति के लोग आते रहे हैं। प्रारंभिक मतभेद और कटुता को दूर करके भारतीय संस्कृति का हिस्सा बनते रहे हैं। जिससे विविधता के बीच एकता के सूत्र विकसित होते रहे हैं। यही वजह है कि बाद में कानून के जरिये तय हुआ कि आजादी के वक्त पूजा स्थल का जैसा स्वरूप रहा, उसे यथास्थिति में बनाये रखा जाये। निश्चित रूप से ऐसे विवादों को हवा देने से सामाजिक समरसता पर आंच आएगी व देश का विकास बाधित होगा। इसके बाद जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य व कतिपय अन्य धर्मगुरुओं ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने बयान को भागवत की निजी राय बताया। निश्चित रूप से भागवत का बयान समय की आवाज है और बकौल भागवत धर्म की सतही समझ से सांप्रदायिक कट्टरता को बढ़ावा मिलता है। लेकिन यह बात विचारणीय है कि भागवत के बयान के विरोध में तो आवाजें उठी, लेकिन संघ प्रमुख के बयान के समर्थन में संघ के आनुषंगिक संगठनों व भाजपा नेताओं की तरफ से कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं आई। जबकि प्रधानमंत्री व गृहमंत्री अमित शाह के ऐसे बयानों के समर्थन में पार्टी नेताओं में बयानबाजी की होड़ पैदा हो जाती है। समय की मांग है कि संघ प्रमुख के बयान में निहित संदेश को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि संघ की स्थापना के मूल में हिंदुत्व की विचारधारा रही है। यही इस संगठन का आधार भी रहा है। ऐसे में जब संगठन की तरफ से प्रगतिशील विचार सामने आता है तो उसे सुना जाना चाहिए। उसका स्वागत किया जाना चाहिए। निस्संदेह, धर्म एक जटिल मुद्दा है और इसके वास्तविक स्वरूप को समझे जाने में चूक होने की आशंका बनी रहती है। जिसके चलते सांप्रदायिकता को बढ़ावा मिलने की आशंका बलवती होती है। वहीं सवाल उठता है कि क्या भागवत के बयान वाला दृष्टिकोण संगठन में उदारवादी व सख्त नीति के बीच विभाजित हो रहा है ? यही वजह है कि संघ व भाजपा नेताओं की तरफ से इस बयान को सकारात्मक प्रतिसाद नहीं मिला है। इस बयान को बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद वहां कट्टरपंथियों के वर्चस्व के रूप में देखा जा सकता है। भागवत की चिंताओं को इस संदर्भ में देखा जाना चाहिए। पूरी दुनिया में इस्लामिक कट्टरता के चलते संप्रदाय को अतिवाद के पोषक के रूप में देखा जाता रहा है। जिसके चलते इसकी छवि धूमिल हुई है। ऐसे ही यदि बहुसांस्कृतिक देश में कट्टरवाद को प्रश्रय दिया जाता है तो वैश्विक संदर्भ में देश की छवि पर इसका प्रतिकूल असर पड़ेगा। धर्म विशेष के नाम पर दुनिया में आतंकवाद की जो मुहिम चली है, उससे धर्म को हिंसा के पर्याय के रूप में देखा जाने लगा है। जिसको लेकर धारणा बनी है कि इससे धर्म की गलत व्याख्या की जा रही है। निश्चित रूप से ऐसे ध्रुवीकरण के प्रयासों से देश में विकास का एजेंडा हाशिये पर चला जाएगा। इसे उत्तर प्रदेश के उदाहरण के तौर पर देखा जाना चाहिए जहां नित नये विवादों को तूल देने के कारण सांप्रदायिक तनाव में वृद्धि देखी गई। उदाहरण के तौर पर संभल में हुई घटना को देखा जा सकता है, जहां हिंसा में चार लोगों की जान चली गई थी। ऐसे कृत्यों से भारत के विश्वगुरु बनने के दावे तथा वसुधैव कुटुंबकम की सनातन परंपरा पर आंच आती है। जिसके लिए जरूरी है कि हमें अपनी बात को ऊंचा रखकर दूसरे विचार की अनदेखी की जिद से बचना होगा।

देश दुनीया से

एआई व चिकित्सा क्षेत्र में क्रांति की जगी उम्मीद

पिछले दिनों गूगल ने अपनी एक क्रांतिकारी क्वांटम चिप 'विलो' को दुनिया के सामने पेश किया। विलो क्लासिकल कंप्यूटरों की तुलना में जटिल गणितीय समस्याओं को तेजी से हल करता है। दावा है कि यह उन समस्याओं को 5 मिनट में हल कर देती है, जिन्हें करने में पारंपरिक कंप्यूटर को अरबों साल लगते। कैलिफोर्निया के सांता बारबरा में कंपनी की क्वांटम लैब में यह चिप विकसित की गई है। विलो चिप में 105 क्यूबिट हैं। क्यूबिट्स पारंपरिक बिट्स की तुलना में स्वाभाविक रूप से तेज होते हैं। गूगल के अनुसार विलो के क्यूबिट को सावधानीपूर्वक जोड़ा गया है। यह क्यूबिट की संख्या बढ़ने पर त्रुटि दर को कम करने में सक्षम था। गूगल का लक्ष्य वर्तमान प्रणालियों से कहीं अधिक गति प्राप्त करके कंप्यूटिंग में क्रांति लाना है। गूगल ने एक ब्लॉगपोस्ट में लिखा, 'विलो ने पांच मिनट से भी कम समय में एक मानक बेंचमार्क गणना की। इसे करने में आज के सबसे तेज़ सुपरकंप्यूटरों में से एक को 10 सेप्टिलियन वर्ष लगेंगे। इतने साल तो ब्रह्मांड की आयु भी नहीं है।' फिलहाल गूगल की चिप द्वारा हल की गई समस्या का कोई तत्काल व्यावसायिक अनुप्रयोग नहीं है। हालांकि, कंपनी क्वांटम कंप्यूटरों को चिकित्सा, बैटरी तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता में चुनौतियों से निपटने के लिये तैयार कर रही है, जो काम आज के कंप्यूटर नहीं कर सकते हैं। क्वांटम चिप एक विशेष प्रकार की कंप्यूटर चिप है जिसे क्वांटम यांत्रिकी के सिद्धांतों का उपयोग करने के लिए डिजाइन किया गया है, जो परमाणुओं जैसे छोटे कणों का विज्ञान है। क्वांटम कंप्यूटिंग गणना करने की ऐसी तकनीक है, जो परंपरागत कंप्यूटर से काफी अलग है। आज हम जो कंप्यूटर देखते हैं, वह बाइनरी गणना का इस्तेमाल करते हैं, यह 'बिट्स' पर काम करते हैं, जो या तो 1 या 0 हो सकते हैं। मतलब जो भी जानकारी हमारे सामने होती है, वह दरअसल 1 या 0 के रूप में होती है, और कंप्यूटर उसे लॉजिक का इस्तेमाल करके उस जानकारी को मानव द्वारा पढ़ने और समझने लायक बनता है। अगर हम क्वांटम कंप्यूटर की बात करें तो वह क्यूबिट्स पर काम करता है। यह क्यूबिट्स एक साथ 1 और 0 दोनों पर काम कर सकता है। एक क्यूबिट दो अवस्थाओं के रैखिक संयोजन को प्राप्त करने के लिए सुपरपोजिशन की क्वांटम मैकेनिकल घटना का उपयोग करता है, और जानकारी को बेहद कम समय में प्रोसेस कर देता है। विलो चिप की सफलता में एडवांस क्वांटम एरर करेक्शन की बड़ी भूमिका है। बहुत अधिक गलती होना लंबे समय से क्वांटम

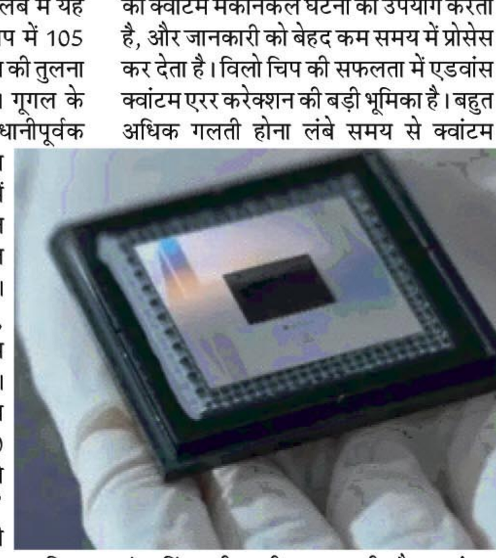

कंप्यूटिंग की बड़ी बाधा रही है। क्वांटम इंफॉर्मेशन की मूल इकाइयां क्यूबिट्स अपने वातावरण के प्रति बहुत अधिक संवेदनशील होती हैं। इसके चलते इसके कैलकुलेशन में गलती होने की संभावना रहती है। इस कमी के चलते क्वांटम सिस्टम के विस्तार होने पर इसकी गणनाओं को ठीक रख पाना मुश्किल हो जाता है। क्वांटम एरर करेक्शन से यह कमी दूर की गई है। इस सुधार का विलो को लाभ मिला है। हाल ही में नेचर पत्रिका में प्रकाशित रिपोर्ट में गूगल ने बताया है कि कैसे विलो का क्वांटम एरर करेक्शन चिप को कम गलती के साथ बड़ी गणनाएं करने की अनुमति देता है। पिछले चार दशक से क्वांटम कंप्यूटर बनाने की कोशिशें चल रही हैं, पर दिक्कत यह आती है कि ऐसे कंप्यूटर तेजी के चक्कर में गलतियां भी करते हैं। काफी समय से वैज्ञानिक इस समस्या से मुक्ति का रास्ता ढूंढ रहे हैं। बात 1995 की है, जब एक अमेरिकी वैज्ञानिक पीटर शोर ने यह अवधारणा दी थी कि क्वांटम कंप्यूटर तभी कामयाब हो सकता है, जब इसमें खुद ही गलतियों को सुधारने का कोई तरीका शामिल कर दिया जाए। अल्फाबेट का कहना है कि उसने अपने विलो चिप में गलतियां सुधारने की क्षमता शामिल करने में सफलता हासिल कर ली है। यह चिप गणना भी करेगा और साथ ही साथ गलतियों पर भी नजर रखेगा। उन्हें सुधारता हुआ चलेगा। गूगल की टीम ने दिखाया है कि क्यूबिट की संख्या बढ़ने पर गलती कम हुई है। यह 3×3 ग्रिड से बढ़कर एनकोडेड क्यूबिट के 7×7 ग्रिड तक पहुंच गई। अब गूगल का लक्ष्य अगले साल तक क्वांटम कंप्यूटिंग के लिए वास्तविक दुनिया के उपयोग के मामले पेश करना है। एआई के लिए जिस तरह की क्षमता वाले कंप्यूटरों की जरूरत होती है, वैसे कंप्यूटर बाजार में बहुत ज्यादा उपलब्ध नहीं हैं। अभी तक एआई का पूरा बाजार अमेरिकी कंपनी एनविडिया के ग्राफिक विशेषज्ञों के हवाले है। माना जाता है कि इनके जरिये विलो चिप बड़ी उम्मीद बनकर आया है। उम्मीद है, इससे एआई का तेजी से विकास होगा और इसके उपयोग की परीकथा जैसी अनेक कल्पनाएं जमीन पर उतरती दिखाई देंगी। गूगल के अनुसार विलो चिप द्वारा टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में नए आयाम प्राप्त करने में सफलता मिलेगी, विशेष रूप से नई टेक्नोलॉजी से हेल्थकेयर, एनर्जी और अन्य सेक्टर्स में रिसर्च को बेहतर कर, आम आदमी के लिए नए रास्ते खोलेगा। कुल मिलाकर विलो चिप कंप्यूटिंग क्षेत्र में एक विशाल छलांग मानी जा रही है, और ऐसा माना जा रहा है कि यह कंप्यूटिंग के भविष्य और उसके इस्तेमाल को हमेशा के लिए बदल कर रख देगा।

आप का नजरीया

ड्रैगन के इरादों पर पैनी नजर जरूरी है

आज पूरी दुनिया रोबोटिक्स, ड्रोन और एआई के क्षेत्र में तेजी से प्रवेश कर रही है। यहां यदि हम ड्रोन्स के उपयोगों और प्रयोगों की बात करें तो इनमें क्रमशः जलवायु परिवर्तन की निगरानी, माल परिवहन, खोज और बचाव कार्यों में सहायता करना और कृषि आदि शामिल हैं। कोरोना काल में चिकित्सा सहायता पहुंचाने और परिवहन में ड्रोन्स की भूमिका किसी से छिपी नहीं हुई है। पाठकों को बताता चलूं कि ड्रोन एक उड़ने वाला एक रोबोट या मशीन है जिसे अपने एम्बेडेड सिस्टम में सॉफ़्टवेयर-नियंत्रित उड़ान योजनाओं का उपयोग करके किसी स्थान विशेष या रिमोट एरिया से कंट्रोल किया जा सकता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि एक रोबोट स्वायत्त रूप से उड़ सकता है जो ऑनबोर्ड सेंसर और ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम के साथ मिलकर काम करता है। ड्रोन्स का इस्तेमाल आज विभिन्न ऐतिहासिक इमारतों की थ्री-डी मैपिंग में, ई-कामर्स डिलीवरी में, विभिन्न मिलिट्री और रेस्क्यू आपरेशन्स में, विभिन्न सिक्योरिटी एजेंसियों द्वारा निगरानी के लिए, जासूसी के लिए, जंगली जानवरों की ट्रैकिंग/निगरानी के लिए तथा फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी में किया जाता रहा है। आज विभिन्न तस्कर, माफिया ड्रोन्स का उपयोग मादक पदार्थों की तस्करी और हथियारों की अवैध तस्करी के लिए भी कर रहे हैं, यह देश-दुनिया के लिए एक नये खतरे के रूप में उभरकर सामने आ रहा है। कहना ग़लत नहीं होगा कि ड्रोन ने आज युद्ध के चरित्र को बदल दिया है। आज के युग में सशस्त्र ड्रोन का उपयोग किया जा रहा है। पाठकों को जानकारी के लिए बताता चलूं कि हाल ही में रूस के कजान शहर में अमेरिका के 9/11 जैसा हमला हुआ। एक प्रसिद्ध न्यूज एजेंसी के मुताबिक, यूक्रेन ने कजान पर 8 ड्रोन अटैक किए। इनमें से 6 अटैक रिहायशी इमारतों पर किए गए। इस संबंध में सोशल मीडिया पर हमले की घटना के कई वीडियो वायरल भी हुए जिनमें कई ड्रोन इमारतों से टकराते नजर आए तथा इन हमलों के बाद कजान समेत रूस के दो एयरपोर्ट्स को भी बंद कर दिया गया। इतना ही नहीं, हाल ही में हूती, हिज्बुल्लाह और ईरान ने भी इजरायल के खिलाफ जमकर ड्रोन हमले किए थे जिससे इजरायल को काफी नुकसान हुआ था। बहरहाल, कहना ग़लत नहीं होगा कि आज टेक्नोलॉजी मानवजाति के लिए सुविधा के साथ ही गंभीर खतरा भी बनती चली जा रही है। सच तो यह है कि अनेक देशों, विभिन्न आतंकवादी समूहों के बीच ड्रोन टेक्नोलॉजी का तेजी से प्रसार आज अंतरराष्ट्रीय समुदाय(मानवजाति) के लिए एक नया व गंभीर खतरा बन गया है। आज संयुक्त राज्य अमेरिका, इज़राइल, यूनाइटेड किंगडम, पाकिस्तान, इराक, नाइजीरिया, ईरान, तुर्की, अज़रबैजान, रूस और संयुक्त अरब अमीरात, सीरिया, चीन जैसे देश ड्रोनों का प्रयोग हमले के लिए कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स बतातीं हैं कि संयुक्त राज्य अमेरिका, इजराइल और चीन विश्व में ड्रोन के सबसे बड़े उत्पादक और विक्रेता हैं। रिपोर्ट्स यह भी बतातीं हैं कि चीन तो ड्रोन्स की दुनिया का बादशाह है। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि कुछ समय पहले चीन ने तुर्की और अमेरिका को पीछे छोड़ते हुए वैश्विक ड्रोन मार्केट पर कब्जा जमा लिया था और पिछले एक दशक में चीन से सबसे ज्यादा देशों को सबसे ज्यादा यूनिट आर्म्ड ड्रोन निर्यात किए।

भजनलाल कैबिनेट का बड़ा फैसला : गहलोत राज में बने नौ नए जिले और तीन संभाग निरस्त, अब 41 जिले

जयपुर (हिंस)। भजनलाल सरकार की शनिवार को हुई कैबिनेट बैठक में पूर्ववर्ती गहलोत सरकार के समय बनाए गए 17 में से नौ जिलों को निरस्त कर दिया है। साथ ही तीन नए संभागों सीकर, पाली और बांसवाड़ा को भी निरस्त कर दिया है। इस निर्णय के बाद अब राजस्थान में 41 जिले और 7 संभाग रहेंगे। भजनलाल कैबिनेट की बैठक में निरस्त होने वाले जिलों और संभागों पर अंतिम मुहर लगी है। मंत्री सुमित गोदारा और जोगाराम पटेल ने बैठक के बाद पत्रकारों को निरस्त होने वाले जिलों और संभागों के बारे में जानकारी दी है। पूर्ववर्ती गहलोत सरकार ने अंतिम समय में राजस्थान में 17 नए जिले और तीन नए संभाग बनाए थे। इस निर्णय को भजनलाल सरकार ने पलटते हुए नौ नए जिलों और नए बने तीनों संभागों को निरस्त कर दिया है, जबकि आठ जिले यथावत रहेंगे। वहीं, राज्य में संभाग पहले की तरह सात ही रहेंगे। मंत्री सुमित गोदारा ने बताया कि कैबिनेट बैठक में लिए निर्णय के मुताबिक दूदू, केकड़ी, शाहपुरा, नीमकाथाना, गंगापुरसिटी, जयपुर ग्रामीण, जोधपुर ग्रामीण, अनूपगढ़, सांचौर जिले को निरस्त किया गया है। मंत्री के मुताबिक कैबिनेट बैठक में लिए निर्णय के मुताबिक बालोतरा, खैरथल-तिजारा, ब्यावर, कोटपूतली-बहरोड़, डीडवाना-कुचामन, फलोदी, डीग और संलूबर जिले यथावत रहेंगे। कानून मंत्री जोगाराम पटेल ने बताया कि एसआई भर्ती का प्रकरण आज के एजेंडे में नहीं था, मामला कोर्ट में लंबित है। चुनाव से पहले नए जिले और संभाग बनाए गए थे। वह व्यवहारिक नहीं थे। वित्तीय संसाधन और जनसंख्या के पहलुओं को अनदेखा किया गया। अनेक जिले ऐसे थे, जिनमें छह-सात तहसीलें नहीं थी। इतने जिलों की आवश्यकता होती तो इसका परीक्षण किया जाता। जोगाराम ने कहा कि न तो इसके लिए कोई पद सृजित किए, न ही कोई कार्यालय भवन की व्यवस्था की गई। जितने जिले बने, उसमें 18 विभागों में पद सृजित की कोशिश की गई। ये जिले राजस्थान पर अनावश्यक भार डाल रहे हैं। रिव्यू के लिए बनी कमेटी ने पाया कि इन जिलों की उपयोगिता नहीं है। सरकार के निर्णय के बाद अब नौ जिलों में लगे कलेक्टर-एसपी और जिला स्तरीय अफसर हटेंगे, इन जिलों में बने हुए जिला स्तरीय पद भी खत्म हो जाएंगे।उल्लेखनीय है कि

सरकार को 31 दिसंबर तक नए जिलों से लेकर नई प्रशासनिक इकाइयां बनाने की छूट थी। 31 दिसंबर के बाद जनगणना रजिस्ट्रार जनरल की तरफ से नई प्रशासनिक इकाइयों के गठन पर रोक लग जाएगी। एक जनवरी से प्रशासनिक इकाइयों की सीमाएं फ्रिज होने के कारण नई पंचायत, नए उपखंड, तहसील से लेकर नए जिले बनाने से लेकर उनकी सीमाओं में फेरबदल करने पर रोक लग जाएगी। ऐसे में सरकार को नए जिलों पर फैसला करने के लिए केवल 31 दिसंबर तक का वक्त था। सरकार ने उससे पहले ही नए जिलों पर निर्णय ले लिया। एक जुलाई से नए जिले बनाने और बाउंड्री में बद लाव पर जनगणना रजिस्ट्रार जनरल की रोक थी। सीएम भजनलाल शर्मा ने सितंबर में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को चिट्ठी लिखकर नए जिले सहित नई प्रशासनिक यूनिट बनाने पर लगी रोक हटाने की मांग की थी। जनगणना रजिस्ट्रार जनरल ने आठ अक्टूबर को आदेश जारी कर देशभर के लिए 31 दिसंबर तक नई एडमिनिस्ट्रेटिव यूनिट बनाने पर लगी रोक हटा दी थी।बैठक में समान पात्रता परीक्षा (सीईटी) का स्कोर एक जनवरी की जगह तीन साल तक मान्य रखने पर फैसला हुआ। खाद्य सुरक्षा योजना में नए लोग जोड़े जाएंगे, तीन महीने के लिए अभियान चला कर नए नाम जोड़े जाएंगे। प्रदेश में पंचायत, पंचायत समितियों और जिला परिषदों का पुनर्गठन होगा। कांग्रेस की एक जनवरी के बाद जनआंदोलन की चेतावनीभारतीय जनता पार्टी के नौ जिले और तीन संभागों को निरस्त करने के फैसले का कांग्रेस ने विरोध किया है। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने पत्रकारों को बताया कि ये लोकतांत्रिक, विवेकहीन और पर्ची सरकार का अब तक का सबसे गलत फैसला है। हम जनता के बीच जाएंगे और इसका विरोध करेंगे। सरकार नहीं मानती है तो हम कोर्ट का दरवाजा भी खटखटाएंगे। डोटसरा ने कहा कि उन जिलों में एसपी लगे है, कलेक्टर लगे हुए हैं, जिले के अन्य अधिकारी लगे हुए हैं। नए भवन बन रहे हैं। पैसे खर्च किया जा रहा है। सरकार ने एक ही झटके में सब कुछ समाप्त कर दिया। यह किसके हित में है। यह जनता विरोधी निर्णय है। उन्होंने प्रश्न किया कि सरकार बदले की भावना से कार्रवाई करती है क्या। यह निर्णय सरकार का साल भर की विफलताओं से ध्यान भटकने का प्रयास है। डोटसरा ने कहा कि सात दिन का राष्ट्रीय शोक है इसलिए कांग्रेस कोई धरना-प्रदर्शन नहीं करेंगी। एक जनवरी के बाद में हम जन आंदोलन खड़ा करेंगे और जनता के साथ कंधे से कंधे मिलाकर मांग करेंगे कि यह जिले वापस बनाएं।

ग्रुप सी की भर्तियों में नहीं मिलेंगे सामाजिक आर्थिक आधार के पांच अंक

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा सरकार ने हाईकोर्ट के निर्देश पर अब ग्रुप सी की भर्तियों में सामाजिक आर्थिक आधार पर पांच अंक नहीं देने का फैसला किया है। यह अंक हरियाणा निवासी को मिलते थे। मुख्यमंत्री नायब सैनी की अध्यक्षता में शनिवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में यह फैसला लिया गया। सीएम ने इसके लिए परोक्ष रूप से कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि भर्ती रोको गैंग ने गरीबों को मिल रही सुविधा के विरुद्ध हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। जिसके बाद हाईकोर्ट ने फैसला सुनाया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में ग्रुप-सी और डी पदों के लिए कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट (सीईटी स्टेज 1 में) नीति, 2022 में संशोधन को स्वीकृति प्रदान की गई। इस नीति को सामान्य पात्रता परीक्षा के माध्यम से ग्रुप सी और डी पदों पर भर्ती के लिए नीति(संशोधन) नियम, 2024 कहा जाएगा। संशोधनों के अनुसार, हरियाणा के मूल निवासियों के लिए प्रदान किए गए सामाजिक आर्थिक मानदंडों के लिए पांच प्रतिशत वेटेज को हटा दिया गया है। राज्य सरकार के विभागों या किसी बोर्ड, निगम, वैधानिक निकाय या राज्य सरकार के स्वामित्व वाली और नियंत्रित किसी अन्य एजेंसी में, राज्य अधिनियम द्वारा या उसके तहत स्थापित किसी विश्वविद्यालय के अलावा, सामान्य पात्रता परीक्षा के माध्यम से ग्रुप सी और डी पदों पर भर्ती के लिए नीति, (संशोधन) नियम, 2024 पुलिस सेवा, कारागार और गृह रक्षक आदि के पदों सहित ग्रुप सी पदों पर सीधी भर्ती के लिए लागू होगी, जिसमें शिक्षण पद, भूतपूर्व अग्निवीर और ग्रुप डी के पद शामिल नहीं होंगे, जिनके लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता हरियाणा ग्रुप डी कर्मचारी (भर्ती और सेवा की शर्तें) अधिनियम के तहत मैट्रिकुलेशन से कम है। मुख्यमंत्री ने बताया कि हरियाणा सरकार ने नए सीईटी नियमों को मंजूरी प्रदान कर दी है। जिसके तहत अभी तक जहां पास अभ्यर्थियों में से चार गुणा को पेपर के लिए बुलाया जाता था अब दस गुणा अभ्यर्थियों को पेपर के लिए बुलाया जाएगा। इस संबंध में विस्तृत नियमा सरकार द्वारा आयोग के माध्यम से जारी किए जाएंगे।

नील गाय को बचाने के चक्कर में अनियंत्रित होकर पलटी कार, दो मरे

पाली (हिंस)। नाना थानांतर्गत दूदनी के पास शुक्रवार रात एक कार नील गाय को बचाने के कारण अनियंत्रित होकर पलट गई, जिससे दो लोगों की मौत हो गई। वहीं एक व्यक्ति गंभीर घायल हो गया। घटना की सूचना मिलने पर नाणा थानाधिकारी रतनसिंह मौके पर पहुंचे और सभी घायलों को सुमेरपुर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां प्रीतेन सिंह (32) पुत्र हमीर सिंह निवासी पाली, जीतेंद्र सिंह (30) पिता गुलाब सिंह निवासी टिक्की गांव जालोर को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वही विनोद राव निवासी पाली एयर बैग खुलने से गंभीर रूप से घायल हो गया। नाणा थानाधिकारी रतनसिंह ने बताया कि तीनों दोस्त सुमेरपुर से घूमने के लिए थे। इस दौरान रात को नाणा आते समय नील गाय को बचाने के चक्कर में कार अनियंत्रित होकर पलट गई, जिससे दो लोगों की मौत हो गई। वहीं एक गंभीर घायल का इलाज जारी है। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। पोस्टमॉर्टम करवा कर शव परिजनों के सुपुर्द किए जाएंगे। हादसे के समय जितेंद्र कार चला रहा था और विनोद राव आगे की सीट पर बैठा हुआ था।

छुट्टियों में कोई अध्यापक ड्रॉप आउट बच्चों का सर्वे नहीं करेगा

फतेहाबाद (हिंस)। हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ संबंधित सर्व कर्मचारी संघ के आह्वान पर अध्यापकों द्वारा शनिवार को खंड शिक्षा अधिकारी भट्टूकलां के कार्यालय पर मांगों को लेकर धरना-प्रदर्शन किया गया। धरने की अध्यक्षता खंड प्रधान सतपाल ढाका ने की। धरने के बाद खंड शिक्षा अधिकारी बलवान सिंह को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। धरने का संचालन कोषाध्यक्ष जयबीर लोयल ने किया। अध्यापकों को संबोधित करते हुए सतपाल ढाका ने कहा कि हरियाणा सरकार व शिक्षा विभाग आए दिन नए-नए कार्य अध्यापकों पर थोप देती है। प्राइमरी स्कूलों में कोई भी सफाई कर्मचारी, माली, क्लर्क की व्यवस्था नहीं है। फिर भी बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने के लिए शिक्षा विभाग उल्लास के नाम से गांव में अनपढ़ बुजुर्गों के लिए सर्वे का काम, बच्चों की अपार आइडी बनाने के लिए अध्यापकों को लगा देते हैं। शिक्षा विभाग में एनजीओ की भरमार है। कभी सम्पर्क फाऊंडेशन, निपुण हरियाणा, एफएलएन, अनेक प्रकार की ट्रेनिंग, हर सप्ताह कोई न कोई प्रोग्राम जिससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। किसी भी प्रकार का सर्वे, बीएलओ का कार्य अध्यापकों पर थोप दिया जाता है, जिसका अध्यापक संघ विरोध करता है। राज्य ऑडिटर सुरजीत दुसाद, जिला प्रधान राजपाल मिताथल, जिला सचिव देसराज माचरा, फतेहाबाद ब्लॉक सचिव मुरारी लाल ने कहा कि सरकार अध्यापकों की 2020-2023 की एलटीसी को हड़प लेना चाहती हैं।

अमृतसर में थाने पर ग्रेनेड हमला करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से हेरोइन, पिस्तौल व हैंड ग्रेनेड किए बरामद

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब पुलिस ने अमृतसर जिले में थाने पर ग्रेनेड हमला करने वाले दो आरोपियों को हथियार व ग्रेनेड समेत गिरफ्तार किया है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने शनिवार को बताया कि पुलिस स्टेशन इस्लामाबाद पर हैंड ग्रेनेड फेंकने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार गया किया है। इस नार्को-टेरर मॉड्यूल को विदेश में बैठे ऑपरेटर चला रहे थे। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि आरोपियों ने 17 दिसंबर को इस्लामाबाद थाने पर ग्रेनेड हमला किया था। उन्होंने बताया कि पुलिस ने इस मामले में दो आरोपी गुरजीत सिंह (निवासी डांडे, अमृतसर ग्रामीण) और बलजीत सिंह (निवासी छप्पा, तरनतारन) को गिरफ्तार किया है। ये दोनों आरोपी न केवल इस हमले में शामिल थे बल्कि ड्रग्स और हथियारों की तस्करी के जरिए देश में आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे थे। जांच में पुलिस

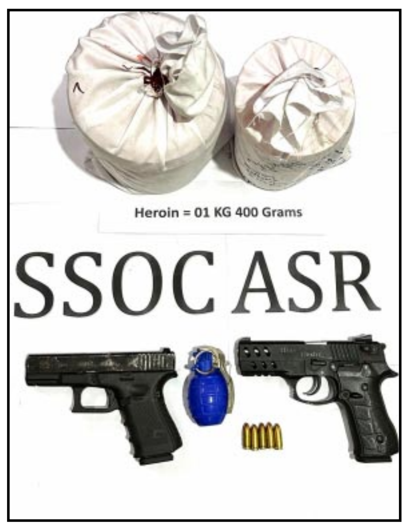

ने इन आरोपियों के पास से 1.4 किलो हेरोइन, एक हैंड ग्रेनेड और दो पिस्तौल बरामद की हैं। इस बरामदगी से साफ होता है कि संगठित तरीके से भारत में नशा और हिंसा फैलाने की कोशिश की जा रही है। जांच में यह भी पता चला है कि गिरफ्तार आरोपी विदेश में बैठे संचालकों के निर्देश पर काम कर रहे थे। बब्बर खालसा इंटरनेशनल के आतंकी हैप्पी पासियां, साथी जीवन फौजी और गोपी नवांशहरिया पहले ही इस हमले की जिम्मेदारी ले चुके हैं। पुलिस के अनुसार इस मॉड्यूल से जुड़े अन्य लोगों को पकड़ने के लिए जांच तेज कर दी गई है। अभी तक इन दो आरोपियों को मिला कर पुलिस हैप्पी पासियां के 16 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। जबकि तीन आरोपी यूपी में बीते दिनों एनकाउंटर में मारे जा चुके हैं। मारे गए आरोपी गुरदासपुर में ब्लास्ट कर भागे थे।

ग्रुप ए व बी की भर्तियों में आधार कार्ड अपलोड करना जरूरी

चंडीगढ़ (हिंस)। भर्तियों में फर्जीवाड़ा व धोखाधड़ी को रोकने के लिए नायब सरकार ने सख्त कदम उठाया है। इसके साथ ही सरकारी सेवा में कार्यरत कर्मियों व सेवानिवृत्त कर्मियों का डाटा एचआरएमएस पोर्टल पर एकत्रित करने का भी फैसला लिया गया है। मंत्रिमंडल की बैठक में ग्रुप-ए व बी की भर्तियों में आवेदना के दौरान आधार-कार्ड प्रमाणीकरण के फैसले को मंजूरी दी गई है। हरियाणा लोक सेवा आयोग की गुप-ए व बी भर्तियों में आधार कार्ड प्रमाणीकरण के एजेंडे को पारित किया गया है। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने बताया कि भर्तियों में आवेदन के दौरान अभ्यार्थियों द्वारा आधार कार्ड अपलोड करने से आयोग के पास आवेदनकर्ताओं का सटीक डाटा होगा। अहम पहलू यह भी है कि धोखाधड़ी व फर्जीवाड़े पर भी अंकुश लगाने में आयोग के लिए मददगार साबित होगा। इससे भर्तियों की विश्वसनीयता बढ़ेगी और जनता का प्रतियोगी परीक्षाओं पर विश्वास भी बढ़ेगा। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने बताया कि मानव संसाधन विभाग के पास राजकीय सेवाओं में कार्यरत कर्मियों और सेवानिवृत कर्मियों का पूरा डाटा होगा। मंत्रिमंडल की बैठक में मानव संसाधन विभाग के एचआरएमएस प्रारूप को मंजूरी दी गई है।

पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत ने की डॉ. मनमोहन सिंह का स्मारक बनाने की मांग

जयपुर (हिंस)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोशल मीडिया के जरिए पीएम नरेंद्र मोदी से मनमोहन सिंह के लिए खास मांग की है। पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत ने डॉ. मनमोहन सिंह का स्मारक बनाने की मांग की है। उन्होंने लिखा कि मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील करता हूं कि सभी राजनीतिक दलों में सम्मानित डॉ. मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार तथा स्मारक के लिए विशेष जगह आवंटित कर यादगार स्मारक बनाएं जिससे आने वाली युवा पीढ़ी उनके व्यक्तित्व के बारे में जान सके एवं उनसे प्रेरणा ले सके। डॉ. मनमोहन सिंह का देश के विकास में अद्वितीय योगदान रहा। देश का सबसे बड़ा आर्थिक सुधार आर्थिक उदारीकरण उनके कार्यकाल में हुआ जिससे भारत एक आर्थिक शक्ति बना है। डॉक्टर साहब की बदौलत भारत 2008 की वैश्विक मंदी से बचा, जिससे भारत की अर्थव्यवस्था सुरक्षित और करोड़ों लोगों की आजीविका सुरक्षित रही। उनके नेतृत्व में भारत-अमेरिका के बीच सिविल परमाणु करार हुआ जिसका लाभ आने वाले लंबे समय तक देश को मिलता रहेगा। वे भारत के पहले और अभी तक के एकमात्र सिख समुदाय से आने वाले प्रधानमंत्री थे। पूरी दुनिया में डॉ. मनमोहन सिंह का सम्मान था। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा का कहना है कि जब डॉ. मनमोहन सिंह बोलते थे तो पूरी दुनिया सुनती थी। देश के लिए अलग-अलग भूमिकाओं में अपना पूरा जीवन अर्पित कर देने वाले डॉ. मनमोहन सिंह की आखिरी विदाई बेहद सम्मानजनक एवं गरिमापूर्ण होनी चाहिए। उन्होंने

लिखा कि केन्द्र सरकार ने डॉ. मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार निगमबोध घाट पर करने का आदेश निकाला है जो उनके महान व्यक्तित्व के अनुरूप नहीं है। 2010 में जब पूर्व उपराष्ट्रपति भैरों सिंह शेखावत का देहांत हुआ तो हमारी सरकार ने पार्टी पॉलिटिक्स से ऊपर उठकर उनके अंतिम संस्कार के लिए जयपुर के विद्याधरनगर में विशेष जगह दी एवं वहां उनका स्मारक बनाया। इस निर्णय की सबने सराहना की थी। गहलोत ने एक अन्य पोस्ट में लिखा कि एनडीए सरकार ने डॉ. मनमोहन सिंह जैसे महान व्यक्तित्व के अंतिम संस्कार एवं स्मारक बनाने को लेकर अनावश्यक विवाद पैदा किया है। जिस व्यक्तित्व को दुनिया सम्मान दे रही है उनका अंतिम संस्कार भारत सरकार किसी विशेष स्थान की जगह निगम बोध घाट पर करवा रही है।

एलपीजी ब्लास्ट मामले में एक और व्यक्ति की मौत, अब तक 20 ने दम तोड़ा

जयपुर (हिंस)। भांकरोटा में गैस टैंकर अग्निकांड को शनिवार को सात दिन हो चुके है। हादसे के शिकार मरीज अब भी दम तोड़ते जा रहे है। मरने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। देर रात झुलसे एक मरीज ने एसएमएस अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया है। अब तक इस दर्दनाक हादसे में 20 लोगों की मौत हो चुकी है। इसके अलावा सात मरीज अब भी गंभीर हालात में है। जो जिंदगी और मौत के बीच झूल रहे है। डॉक्टर्स उन्हें बचाने का प्रयास कर रहे है। यह सभी मरीज अस्पताल में दर्द से छटपटा रहे है। इनका शरीर 60 फीसदी से ज्यादा झुलसा हुआ है। इनकी हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। डॉक्टरों का कहना है कि झुलसे मरीजों के अगले 48 घंटे अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं। इन मरीजों की लीवर, किडनी व अन्य आर्गन अब धीरे धीरे प्रभावित हो रहे है। जिससे इन मरीजों की जान खतरे में है। हादसे में झुलसे मरीजों का स्किन ट्रांस्प्लांट किया जा रहा है। फिर भी मरीज लगातार दम तोड़ रहे है। जानकारी के अनुसार शनिवार सुबह 6.15 बजे अजमेर निवासी सलीम की इलाज के दौरान मौत हो गई। मेडिकल बोर्ड से पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा। 20 दिसंबर को जयपुर-अजमेर हाईवे पर हुई घटना में 27 लोग 80 फीसदी तक झुलस गए थे। इनमें सबसे अधिक संख्या 50 से 55 फीसदी तक झुलसे लोगों की थी। सलीम भी करीब 55 फीसदी झुलस गया था। सलीम का भाई उसे हॉस्पिटल लाने के दौरान उसके साथ था। उसे उम्मीद थी कि आठ दिन बाद जरूर उसका भाई बच जाएगा, लेकिन शनिवार सुबह डॉक्टर्स ने उसे मौत की जानकारी दी। एसएमएस के बर्न स्पेशलिस्ट डॉ. राकेश जैन ने बताया कि टीम घटना के बाद से ही घायल मरीजों के इलाज में लगी है। हर सम्भव कोशिश की जा रही है कि मरीजों की रिकवरी का रेट बढ़े। डॉक्टर्स की टीम अच्छे से अच्छा उपचार देने का प्रयास कर रही हैं।इस घटना ने पीड़ित परिवारों को गहरे शोक में डाल दिया है। कई परिवार अब भी अस्पताल के बाहर अपने प्रियजनों की सलामती के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। बीते दिन तीन घायलों को अस्पताल से छुट्टी दी गई थी, लेकिन अब भी अस्पताल में भर्ती मरीजों की हालत गंभीर बनी हुई है। इस अग्निकांड के बाद अलग-अलग जांच एजेंसिया अपनी रिपोर्ट तैयार करने में जुटी हुई हैं। हादसे के कारणों और जिम्मेदार व्यक्तियों का पता लगाने का काम जारी है। केंद्र और राज्य सरकार मुआवजा दे चुकी हैं। बीस दिसंबर की सुबह गैस टैंकर को एक ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी। भिड़ंत इतनी तेज थी कि एलपीजी गैस टैंकर के तीनों नोजल टूट गए। अचानक हुई इस टक्कर से गाड़ियां आपस में टकरा कर रुक गईं। जैसे ही लोगों को गैस फैलने का आभास हुआ, सभी अपनी गाड़ियों को स्टार्ट कर फटाफट वहां से निकलने की कोशिश करने लगे। इस बीच गाड़ियों के टकराने, इग्निशन के स्पार्क या सड़क पर गाड़ियों के रगड़ से पैदा हुई चिंगारी से आसपास जमीन से चार से पांच फीट की ऊंचाई पर हवा में तैर रही गैस में आग लग गई। जितनी दूरी तक एलपीजी गैस फैली थी, वहां तक पलक झपकते ही आग की लपटें पहुंच गई। गैस के विस्फोट के दायरे में जो कोई भी आया, वह बुरी तरह झुलस गया।

वर्ष 2024 में समाजवादी पार्टी के खुशी, गम और आंसू का हुआ संगम

लखनऊ, (हिंस)। उत्तर प्रदेश की सत्ता से समाजवादी पार्टी वर्ष 2017 से बाहर है। दो बार निरंतर विधानसभा चुनावों में हार के बाद समाजवादी पार्टी विपक्ष की भूमिका निभा रही है। समाजवादी पार्टी के लिए वर्ष 2024 की शुरुआत तो खुशियों से भरी थी, जिसे उपचुनाव के परिणाम आने के बाद गम में बदलते देर नहीं लगी। वहीं परिणाम पर कांग्रेस के व्यंग्य बाणों ने समाजवादी नेताओं के आंसू भी निकाल दिए। वर्ष 2024 की शुरुआत में उत्तर प्रदेश सहित देश में लोकसभा चुनाव सम्पन्न हुए। इस लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सैंतीस सीटें जीती। वर्ष 2019 में पांच सीटें जीतने वाली समाजवादी पार्टी के सैंतीस लोकसभा सीटों पर जीत हासिल करने पर सत्ता में बैठी भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख नेताओं सहित पूरे देश में यह चर्चा का विषय बना। धमाकेदार जीत के बाद

संसद में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव का सांसद के रुप में प्रवेश हुआ। अखिलेश यादव अपने चिरपरिचित अंदाज में संसद में पुरजोर तरीके से उत्तर प्रदेश के मुद्दे उठाने लगे। ऐसे में कांग्रेस ने अपनी रणनीति बदली और उत्तर प्रदेश में अपनी साख बचाने के लिए समाजवादी पार्टी से दूरी बनाने लगी। इसका परिणाम रहा कि उपचुनाव में समाजवादी पार्टी ने कांग्रेस को एक भी सीट लड़ने के लिए नहीं दिया। लोकसभा की जीत पर फूली हुई समाजवादी पार्टी अकेले दम पर नौ विधानसभा सीटों पर उतरी और अंत में दो ही सीट जीत पाने में सफल हुई। उपचुनाव 2024 में भारतीय जनता पार्टी को सात विधानसभा सीटों पर मिली जीत में जनता का पूरा आशीर्वाद था। वहीं समाजवादी पार्टी केवल दो सीटें करहल और सीसामऊ ही जीत पाई। उपचुनाव के परिणाम पर शीर्ष नेताओं ने इसे ईवीएम की गड़बड़ी से जोड़कर बताया। इसके बाद पार्टी कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ाने के लिए लखनऊ जैसे प्रमुख स्थान पर वर्ष 2027 में सत्ता का सत्ताधीश बनने की होर्डिंग लगाई गई। वर्ष 2024 में विधानसभा सत्रों की शुरुआत से पहले धरना प्रदर्शन करने वाले समाजवादी पार्टी के पास मुद्दों की कमी स्पष्ट दिखायी पड़ रही है।

आंदोलनरत बीपीएससी अभ्यर्थियों से प्रशासन ने की मुलाकात, मांगा प्रतिनिधिमंडल का नाम

मुख्यमंत्री से हो सकती है मुलाकात

पटना (हिंस)। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की 70वीं प्रारंभिक परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर आंदोलनरत अभ्यर्थियों से शुक्रवार रात पटना प्रशासन की टीम ने धरना स्थल पर मुलाकात की। प्रशासनिक टीम में शामिल एसडीपीओ सचिवालय डॉ. अनु ने अभ्यर्थियों से बातचीत की और छात्रों का एक प्रतिनिधिमंडल तैयार करने को कहा। आज इन छात्रों के प्रतिनिधिमंडल से मुख्यमंत्री की मुलाकात की संभावना है। अभ्यर्थियों से मुलाकात करने के बाद मीडिया से बातचीत में एसडीपीओ डॉ. अनु ने बताया कि हमने इनके प्रतिनिधिमंडल का नाम मांगा है। आंदोलन कर रहे अभ्यर्थियों ने हमें भरोसा दिया है कि प्रतिनिधिमंडल का नाम जल्द से जल्द दे देंगे। अनु ने बताया कि हमारी तरफ से पूरा प्रयास होगा कि ये लोग जिनसे मिलना चाहते हैं उनसे इनको मिलवाया जाए। उल्लेखनीय है कि बीपीएससी की 70वीं पीटी परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर अभ्यर्थी पिछले 11 दिनों से पटना के गर्दनीबाग में धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। इन अभ्यर्थियों को कई शिक्षकों का समर्थन भी मिल रहा है। इस परीक्षा को पूरी तरह रद्द करने की मांग को लेकर जन सुराज अध्यक्ष ने नीतीश कुमार को पत्र लिखा है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पत्र लिखा है। उन्होंने पत्र में लिखा है कि बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की परीक्षा में कदाचार और अनियमितताओं की सूचना है। इसके साथ परीक्षा प्रक्रिया में गड़बड़ी को आधार बताते हुए उन्होंने पूरी परीक्षा रद्द कर री-एग्जाम करवाने की मांग किया है।

रामकथा महोत्सव के दूसरे दिन बच्चों में पश्चिमी सभ्यता के बदले सनातनी संस्कार देने की अभिभावकों से की गई अपील

अररिया (हिंस)। फारबिसगंज के छुआपट्टी स्थित तपेश्वर गुप्ता के गोला में श्री राम कथा महोत्सव के दूसरे दिन शनिवार को ऋषिकेश से पधारे बालसंत श्री हरि दासजी महाराज ने मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के जीवन लीला पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि श्री राम जी ने सभी मनुष्यों को जीवन जीने की कला सिखाई। पिता, पुत्र, भाई, माता, दोस्त सभी की अपनी अपनी मर्यादा है। राम कथा सुनने से जीवन की व्यथा मिटती है।जो धर्म से विमुख होगा वह दुखी रहेगा। उन्होंने कहा कि माता पिता को अपने बच्चों में सनातनी संस्कार भरने का यत्न करना चाहिए, क्यों कि आज पश्चिमी सभ्यता के प्रभाव में बच्चे अपने धर्म से विमुख हो रहें हैं और इसी समय सबसे पहले फर्ज माता पिता को ही निभाना पड़ेगा।तभी बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की बात उन्होंने कही। कथा स्थल पर दूसरे दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। कथा स्थल पर शांति व्यवस्था बनाए रखने में काव्या, रक्षा, हंसी, केशव, प्रथम, टप्पू आकाश हर्ष सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। इसके अलावा हेमू बोथरा, मदनमोहन कनौजिया, जयप्रकाश अग्रवाल, पप्पू फिटकरी वाला, पूनम पांडिया के द्वारा कथा स्थल पर सकारात्मक सहयोग की जा रही है। दिव्य जल निर्माता विष्णु पोद्दार के द्वारा कथा स्थल पर नौ दिनों तक शुद्ध पीने की जल की व्यवस्था की गई है।

डीजीसीए ने अकासा एयर के प्रशिक्षण और उड़ान संचालन निदेशकों को किया निलंबित

नई दिल्ली

नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने पायलटों के प्रशिक्षण में कथित चूक के लिए अकासा एयर के संचालन निदेशक और प्रशिक्षण निदेशक को छह-छह महीने के लिए निलंबित कर दिया है। डीजीसीए ने अपने आदेश में एयरलाइन को दोनों पदों के लिए 'उपयुक्त' उम्मीदवारों को नामित करने की सलाह भी दी है।

अकाशा एयर ने शनिवार को जारी एक बयान में कहा कि डीजीसीए ने शुक्रवार को पायलटों के प्रशिक्षण में कथित चूक के लिए उसके संचालन निदेशक और प्रशिक्षण निदेशक को 6-6 महीने के लिए निलंबित करने का आदेश दिया है। कंपनी ने जारी इस आदेश पर कहा कि वह डीजीसीए के साथ मिलकर काम करना जारी रखेगी और उसके अनुरूप अनुपालन करेगी। एयरलाइन ने कहा, सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है, हम सुरक्षा के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास करते हैं। विमान नियामक डीजीसीए ने जारी अपने आदेश में कहा कि राकेश झुनझुनवाला परिवार की हिस्सेदारी वाली एयरलाइन के दो वरिष्ठ अधिकारी नागर विमानन से जुड़े हुए प्रावधानों का 'अनुपालन' सुनिश्चित करने में 'विफल' रहे हैं।

डीजीसीए ने निलंबन आदेश में कहा कि 7 अक्टूबर, 2024 को एसएनवी एविएशन प्राइवेट लिमिटेड (अकासा एयर), मुंबई में किए गए नियामकीय लेखा-परीक्षण में पाया गया है कि आरएनपी प्रशिक्षण ऐसे सिम्यूलेटर पर आयोजित किया जा रहा है, जो इसके लिए योग्य नहीं हैं। उल्लेखनीय है कि डीजीसीए ने अकासा एयर के परिचालन निदेशक और प्रशिक्षण निदेशक को क्रमशः 15 और 30 अक्टूबर को कारण बताओ नोटिस भेजा था। आरोपित अधिकारियों द्वारा भेजे गए जवाब को 'असंतोषजनक' पाते हुए डीजीसीए ने उन्हें छह महीने के लिए निलंबित करने का आदेश दिया है।

न्यूज़ ब्रीफ

देश में वित्त वर्ष 2023-24 में रिकॉर्ड कोयला उत्पादन

नई दिल्ली। भारत ने वित्त वर्ष 2023-24 में 997.826 मिलियन टन का अपना अब तक का सर्वाधिक कोयला उत्पादन किया, जो वित्त वर्ष 2022-23 में 893.191 मिलियन टन कोयला उत्पादन की तुलना में 11.71 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है। कोयला मंत्रालय ने शनिवार को एक्स पोस्ट में बताया कि 2024 में मंत्रालय ने एक परिवर्तनकारी वर्ष देखा है, जिसमें उत्पादन, स्थिरता और तकनीकी नवाचार में अभूतपूर्व उपलब्धियाँ दर्ज की गई हैं। प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में मंत्रालय भारत को विकसित भारत की ओर तेजी से आगे बढ़ा रहा है, ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत कर रहा है और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दे रहा है। मंत्रालय के मुताबिक एकीकृत कोयला रसद योजना के तहत केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2030 तक 1.5 बीटी कोयला के उत्पादन का लक्ष्य रखा है। कैलेंडर वर्ष 2024 (15 दिसंबर तक) के दौरान कोयला का उत्पादन अनंतिम 988.32 मिलियन टन तक पहुंच गया, जो साल-दर-साल 7.66 फीसदी की वृद्धि को दर्शाता है।

रिलायंस ने कार्किनोस हेल्थकेयर का 375 करोड़ में अधिग्रहण किया

नई दिल्ली। उद्योगपति मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की सहायक कंपनी ने प्रौद्योगिकी आधारित स्वास्थ्य देखभाल प्लेटफॉर्म कार्किनोस का 375 करोड़ रुपये में अधिग्रहण किया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने शनिवार को रेगुलेटरी फाइलिंग में दी जानकारी में बताया कि उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी रिलायंस स्ट्रैटेजिक बिजनेस वेंचर्स (आरएसबीवीएल) ने जरूरी शेयरों के आवंटन के साथ कर्किनोस हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड का अधिग्रहण पूरा कर लिया है। कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज को सूचित किया कि आरएसबीवीएल ने हेल्थकेयर प्लेटफॉर्म कार्किनोस को 375 करोड़ रुपये में खरीदा है। ऑन्कोलॉजी केंद्रित हेल्थकेयर प्लेटफॉर्म कार्किनोस को 24 जुलाई, 2020 को भारत में शामिल किया गया था। यह प्लेटफॉर्म कैंसर का शीघ्र पता लगाने, निदान और प्रबंधन के लिए प्रौद्योगिकी-संचालित अभिनव समाधान प्रदान करने के व्यवसाय में है। इसका वित्त वर्ष 2022-23 में कारोबार लगभग 22 करोड़ रुपये था। उल्लेखनीय है कि ये कंपनी कैंसर का जल्दी पता लगाने और प्रभावी उपचार से संबंधित सेवाएं देती है, जिनकी कीमत मौजूदा दरों से काफी कम है। इसके बावजूद कंपनी अच्छा लाभ कमा रही है। कंपनी ने दिसंबर 2023 तक लगभग 60 अस्पतालों के साथ साझेदारी की है।

बजट में मिडिल क्लास को मिल सकती है बड़ी राहत, 15 लाख रुपए तक की इनकम वाले व्यक्तियों को मिल सकता है लाभ

नई दिल्ली। केंद्र सरकार आगामी बजट में मिडिल क्लास को राहत देने के लिए इनकम टैक्स दरों में कटौती करने की योजना बना रही है। हालांकि, टैक्स छूट किस सीमा तक दिया जाएगा इसका निर्धारण अभी नहीं हुआ है। इस पर आखिरी फैसला 1 फरवरी 2025 को बजट पेश किए जाने से पहले लिया जाएगा। अनुमान लगाए जा रहे हैं कि मिडिल क्लास को राहत देने के लिए केंद्र सरकार आगामी बजट 2025-26 में 15 लाख रुपए तक की इनकम वाले व्यक्तियों के लिए इनकम टैक्स में कटौती कर सकती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक सरकार के इस कदम का मकसद धीमी विकास दर के बीच अर्थव्यवस्था में कंजम्पशन को बढ़ावा देना है। देश के कई बड़े जानकारों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से नागरिकों पर आर्थिक बोझ को कम करने के लिए इनकम टैक्स के रेट्स में कटौती करने भी आग्रह किया है। पीएम मोदी ने नीति आयोग की एक बैठक में इकोनॉमिस्ट्स और क्षेत्रीय एक्सपर्ट्स से मुलाकात कर आगामी बजट के लिए उनके विचार और सुझाव सुने। बैठक में इकोनॉमिस्ट्स और क्षेत्रीय एक्सपर्ट्स ने कथित तौर पर सरकार को आगामी बजट में इनकम टैक्स में कटौती, कस्टम ड्यूटी को रेशनलाइज करने और निर्यात को समर्थन देने के उपायों को शामिल करने का सुझाव दिया है।

बीते सप्ताह शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव भरा कारोबार रहा, सेंसेक्स 78,699 और निफ्टी 23,813 पर बंद

मुंबई

बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव भरा कारोबार देखने को मिला। बुधवार 25 दिसंबर को क्रिसमस के अवसर पर शेयर बाजार बंद रहे, जिसकी वजह से शेयर बाजार में सप्ताह में केवल चार दिन ही कारोबार हुआ। वहीं वैश्विक बाजारों से मिलेजुले संकेतों और विदेशी निवेशकों की बिकवाली को नजरअंदाज करते हुए डीआईआई की खरीदारी ने बाजार में जोश भरने का काम किया जिससे शुक्रवार को शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुए।

हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार के शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 628.34 अंक उछलकर 78,669.93 पर खुला और 498.58 अंकों की बढ़त के साथ 78,540.17 पर बंद हुआ। जबकि निफ्टी 219 अंक बढ़कर 23,806.50 पर खुला और 165.95 अंक बढ़कर 23,753.45 पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार में हफ्ते के दूसरे दिन भी तेजी देखी गई। पिछले हफ्ते की भारी गिरावट से उबरते हुए लगातार दूसरे दिन मंगलवार को भी बाजार हरे निशान पर खुला।

शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 192.03 अंक चढ़कर 78,732.20 पर खुला और 67.30 अंक गिरकर 78,472.87 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 44.65 अंक चढ़कर 23,798.10 पर खुला और 25.80 अंक गिरकर 23,727.65 अंक पर बंद हुआ। गुरुवार को घरेलू शेयर बाजार के प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी शुरुआती कारोबार में हासिल हुई बढ़त दिन चढ़ने के साथ गंवा बैठे। इस दौरान बाजार में उतार-चढ़ाव के दौर हावी हो गया। सेंसेक्स 8.74 अंक टूटकर 78,465.86 पर खुला और अंक गिरकर 78,472.48 अंक पर बंद हुआ।

निफ्टी 2.11 अंक फिसलकर 23,725.55 पर खुला और 22.55 अंक की बढ़त के साथ 23,750.20 अंक पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को एक बार फिर हरे निशान पर खुला। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 311.48 अंक चढ़कर 78,783.96 पर खुला और 226.59 अंक चढ़कर 78,699.07 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 98.1 अंक चढ़कर 23,848.30 पर खुला और 63.20 अंक बढ़कर 23,813.40 अंक पर बंद हुआ।

डॉलर के मुकाबले कमजोर होता रुपया..........कैसे आपकी जेब पर डालेगा असर

नई दिल्ली

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया कमजोर होता जा रहा है। शुक्रवार को रुपया और कमजोर होकर सबसे निचले स्तर पर आ गया। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 23 पैसे की गिरावट के साथ रुपया 85.50 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ।

आंकड़ों से साफ तौर पर पता चलता है कि देश में इंपोर्टेड सामानों का इस्तेमाल बहुत तेजी से बढ़ रहा है। इसमें सबसे ज्यादा उछाल सोने में देखने को मिला है। यह इस साल नवंबर के महीने में 50 फीसदी से बढ़कर 49.08 अरब डॉलर पहुंच गया है। भारत सरकार ने जैसे ही कस्टम ड्यूटी 15 से घटाकर 6 प्रतिशत कर दी। इसके बाद सोने के आयात में काफी तेजी देखने को मिली है। रुपये में गिरावट के कारण इकोनॉमी पर भी काफी दवाब बढ़ रहा है।

जैसे-जैसे रुपये में गिरावट आ रही है, वैसे-वैसे रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की टेंशन बढ़ सकती है। रुपये को और ज्यादा लुढ़कने से रोकने के लिए आरबीआई को पिछले कुछ महीनों के दौरान करेंसी बाजार में बार-बार दखल देनी पड़ी है। इस वजह से विदेशी मुद्रा भंडार में तेजी से गिरावट दिखाई दी है। 4 अक्टूबर से 6 दिसंबर 2024 के बीच, आरबीआई का विदेशी मुद्रा भंडार 704.885 अरब डॉलर से घटकर 654.857 अरब डॉलर ही रह गया।

उदाहरण के तौर पर 100 डॉलर कीमत वाले किसी उत्पाद के आयात के लिए अगर एक साल पहले 8300 रुपये देने पड़ते, अब 8,500 रुपये चुकाना होगा। डॉलर महंगा होने का सीधा असर आयात होने वाले कच्चे तेल पर भी पड़ता है। अगर इसके कारण तेल की कीमतों में बढ़ोतरी होती है, तब परिवहन की लागत भी काफी बढ़ती है और बाकी चीजें महंगी होने के भी आसार होते हैं।

ई-कॉमर्स कंपनियां बढ़ती मांग को पूरा करने बढ़ा रही श्रमिकों की संख्या

नई दिल्ली

देश में उपभोक्ता खपत तेजी से बढ़ रही है। बड़े शहरों को छोड़ दें तो देश के बाकी शहरों में फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफएमसीजी) की मांग में तेजी आई है। ऐसे में ई-कॉमर्स कंपनियां क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म के जरिए अपनी क्षमता को बढ़ा रही है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने मासिक रिपोर्ट में दावा किया है कि ई-कॉमर्स कंपनियां बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए श्रमिकों की संख्या बढ़ा रही है।

एफएमसीजी व अन्य कंपनियां भी उत्पाद क्षमता को बढ़ाने के लिए लोगों को रोजगार दे रही हैं। 2024 में देशभर में इन कंपनियों द्वारा नौ करोड़ लोगों को अस्थाई और अनुबंध के आधार पर नौकरी दी गई। नई नौकरियां देने के मामले में गुरुग्राम और कोयंबटूर बड़ा केंद्र बनकर उभरा है। रिपोर्ट कहती हैं कि नौकरी देने की प्रक्रिया में अब भौगोलिक बदलाव दिखाई दे रहा है। बड़े शहरों को छोड़ गुरुग्राम और कोयंबटूर जैसे शहर रोजगार के केंद्र बन रहे हैं, क्योंकि ई-कॉमर्स कंपनियां अपनी सारी सेवाओं को इन शहरों से संचालित कर रही है।

उपभोक्ता को समय पर डिलीवरी देने अब ई-कॉमर्स कंपनियों ने क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर काम कर रही है। देश की जानी-मानी कंपनियां कोयंबटूर और गुरुग्राम जैसे शहरों में अपनी ऑपरेशनल क्षमता को बढ़ा रही हैं। इससे इन शहरों में रोजगार के अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं, जिसे आर्थिक विकास की भाषा में गिग अर्थव्यवस्था भी कहा जाता है। रिपोर्ट कहती है कि खपत बढ़ने से नियुक्तियों में सकारात्मक तेजी देखने को मिली है। भारत में अब लॉजिस्टिक, ईवी, ईवी इंफ्रास्ट्रक्चर, कृषि, एग्रोकेमिकल्स और ई-कॉमर्स जैसे क्षेत्रों में सबसे ज्यादा अवसर पैदा हो रहे हैं। वैश्विक स्तर पर देखा जाए तो प्रौद्योगिकी, अनुसंधान एवं विकास में उच्च कौशल वाली नौकरियां पैदा हो रही हैं, लेकिन भारत में उच्च कौशल के साथ ही निम्न और मध्यम कौशल श्रेणी में रोजगार के अवसर मिल रहे हैं।

वोडाफोन समूह ने वीआईएल के शेयरों के बदले जुटाए गए 11,650 करोड़ का कर्ज चुकाया

नई दिल्ली

निजी क्षेत्र की दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनी वोडाफोन समूह ने वोडाफोन-आइडिया लिमिटेड (वीआईएल) के शेयरों के बदले जुटाए गए करीब 11,650 करोड़ रुपये (10.9 करोड़ पाउंड) का बकाया चुका दिया है।

कंपनी ने शनिवार को नियामक फाइलिंग में शेयर बाजार को बताया कि वोडाफोन-आइडिया लिमिटेड के शेयरों के बदले जुटाए गए करीब 11,650 करोड़ रुपये (10.9 करोड़ पाउंड) का बकाया चुका दिया गया है। वोडाफोन समूह ने कर्ज जुटाने के लिए वीआईएल में लगभग पूरी हिस्सेदारी गिरवी रख दी थी।

ब्रिटेन स्थित वोडाफोन समूह ने कहा कि वोडाफोन के प्रवर्तकों के ऋणदाताओं को बकाया चुकाने के बाद ऋणदाताओं के लिए सुरक्षा ट्रस्टी के रूप में काम करने वाली एचएसबीसी कॉरपोरेट ट्रस्टी कंपनी (यूके) लिमिटेड ने 27 दिसंबर, 2024 को गिरवी शेयरों को जारी कर दिया है। मॉरिशस

और भारत स्थित वोडाफोन समूह की संस्थाओं द्वारा जुटाए गए कर्ज के लिए एचएसबीसी कॉरपोरेट ट्रस्टी कंपनी (यूके) के पक्ष में शेयर गिरवी रखे थे।

उल्लेखनीय है कि वोडाफोन समूह के पास वीआईएल कंपनी की 22.56 फीसदी हिस्सेदारी है, जबकि आदित्य बिड़ला समूह के पास 14.76 फीसदी और सरकार के पास 23.15 फीसदी हिस्सेदारी है।

सर्राफा बाजार में तेजी जारी, सोना और चांदी की बढ़ी चमक

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में लगातार तीसरे दिन तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। सोना 250 से 270 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। सोने के भाव में तेजी आने की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 78,150 रुपये से लेकर 78,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 71,650 रुपये से लेकर 71,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी 900 रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी आई है। इस तेजी के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 92,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 78,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,650 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 78,000

रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 78,050 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,550 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 78,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 71,500 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 78,000 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 78,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 78,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 71,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 78,150 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में तेजी आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 78,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 71,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने की बैलन डीओर पुरस्कार की आलोचना कहा - विनिसियस जूनियर गोल्डन बॉल जीतने के हकदार थे

दुबई

दिग्गज पुर्तगाली फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने बैलन डीओर पुरस्कार की आलोचना की और कहा कि रियल मैड्रिड और ब्राजील के सुपरस्टार विनीसियस जूनियर सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी के रूप में नामित होने के हकदार थे।

इससे पहले अक्टूबर में, मैनचेस्टर सिटी के मिडफील्डर रॉड्री को 2024 पुरुष बैलन डीओर विजेता नामित किया गया था, उन्होंने अपने क्लब को लगातार चौथी बार इंग्लिश प्रीमियर लीग का खिताब दिलाने में मदद की। क्लब फ़ुटबॉल के अलावा, रॉड्री ने स्पेनिश राष्ट्रीय टीम के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जर्मनी में 2024 यूरो में उनकी जीत में योगदान दिया, जहाँ उन्होंने जुलाई में इंग्लैंड को 2-1 से हराया। उन्हें प्लेयर ऑफ़ द टूर्नामेंट चुना गया।

बैलन डीओर पुरस्कार समारोह के एक महीने बाद, विनीसियस ने द बेस्ट फीफा मेन्स प्लेयर ऑफ़ द ईयर जीता और उन्हें दुबई ग्लोब सॉकर अवार्ड्स में प्लेयर ऑफ़ द ईयर का पुरस्कार भी दिया गया। पांच बार के बैलन डीओर विजेता रोनाल्डो को ग्लोब सॉकर अवार्ड्स में बेस्ट मिडिल ईस्ट प्लेयर का पुरस्कार भी दिया गया।

ग्लोब सॉकर अवार्ड्स में रोनाल्डो ने कहा,विनिसियस को 2024 का पुरुष बैलन डीओर पुरस्कार देने से मना करना अनुचित था। मेरी राय में, वह [विनिसियस] गोल्डन बॉल [बैलन डीओर पुरस्कार] जीतने के हकदार थे। मैं यहाँ सबके सामने कह रहा हूँ। वे इसे रॉड्री को देते हैं, वह भी इसके हकदार थे, लेकिन उन्हें इसे विनिसियस को देना चाहिए था क्योंकि उन्होंने चैंपियंस लीग जीती और फाइनल में गोल किया।

पुर्तगाल के कप्तान ने कहा कि ग्लोब सॉकर अवार्ड्स अन्य गाला से बेहतर है क्योंकि वे पारदर्शी हैं। उन्होंने कहा, आप इन गाला को जानते हैं, वे हमेशा एक ही काम करते हैं। यही कारण है कि मुझे ग्लोब सॉकर अवार्ड्स पसंद हैं, वे ईमानदार हैं। पिछले सीजन में रियल मैड्रिड के लिए ब्राजील के विंगर ने अटैकिंग फ्रंट पर मार्गदर्शन किया था। उन्होंने रियल मैड्रिड को यूईएफए चैंपियंस लीग और ला लीगा खिताब जीतने में मदद की। वह सभी प्रतियोगिताओं में 24 गोल के साथ रियल मैड्रिड के लिए शीर्ष स्कोरर थे। हालांकि, ब्राजील के साथ उनका प्रदर्शन वैसा नहीं रहा जैसा उन्होंने उम्मीद की थी। विनीसियस ब्राजील की उस टीम का हिस्सा थे जो उरुग्वे के खिलाफ क्वार्टर फाइनल चरण में कोपा अमेरिका से बाहर हो गई थी।

न्यूज़ ब्रीफ

संतोष ट्रॉफी : सेमीफाइनल में पश्चिम बंगाल का सामना सर्विसेज से, मणिपुर से भिड़ेगा केरल

हैदराबाद। 78वीं राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप संतोष ट्रॉफी के सेमीफाइनल की लाइन-अप पूरी हो गई है। शुक्रवार को खेले गए क्वार्टरफाइनल मुकाबलों के बाद केरल, सर्विसेज, पश्चिम बंगाल और मणिपुर ने सेमीफाइनल में जगह बना ली है। रविवार, को सेमीफाइनल में, पश्चिम बंगाल का सामना सर्विसेज के साथ दोपहर ढाई बजे और उसके बाद शाम साढे सात बजे केरल का सामना मणिपुर से होगा। शुक्रवार को खेले गए पिछले दो क्वार्टर फाइनल में, फुटबॉल की दिग्गज टीम केरल ने जम्मू और कश्मीर के कड़े प्रतिरोध को पार करते हुए 1-0 से जीत हासिल की और 31वीं बार सेमीफाइनल में जगह बनाई, जबकि गत चैंपियन सर्विसेज ने मेघालय को 2-1 से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया। दिन के पहले मैच में, केरल ने आखिरकार 73वें मिनट में नसीब रहमान के गोल के जरिए जम्मू और कश्मीर को 1-0 से हराया।

खो खो विश्व कप के आयोजन में आर्थिक सहायता प्रदान करेगी उत्तर प्रदेश सरकार

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश सरकार खो खो विश्व कप के आयोजन ने आर्थिक सहायता प्रदान करेगी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खो खो फेडरेशन ऑफ़ इंडिया (केकेएफआई) और विश्व कप आयोजन समिति के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल को मुलाकात के दौरान आर्थिक सहायता देने का आश्वासन दिया। खो खो विश्व कप आयोजन समिति के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने शनिवार को एक आधिकारिक बयान में कहा कि उन्होंने गुरुवार को मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को 13 जनवरी 2025 को नई दिल्ली में खो खो वर्ल्ड कप के उद्घाटन समारोह के अवसर पर आमन्त्रित किया है। मित्तल ने नोएडा खेल स्टेडियम में खो-खो विश्व कप के मैचों के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदान की गई सुविधाओं के लिए उनका धन्यवाद किया और कहा इस उत्तर प्रदेश सरकार की खेल नीतियों की वजह से देश के सबसे बड़े राज्य में इस खेल को प्रोत्साहन मिला है जिससे इसके विकास की सम्भावनाएँ बढ़ गई हैं। उन्होंने कहा कि खो खो फेडरेशन ऑफ़ इंडिया उत्तर प्रदेश में खो खो को प्रमोट करने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के साथ मिलकर काम करेगी जिससे खो खो को ओलिंपिक और एशियाई खेलों में शामिल करने का मार्ग प्रशस्त हो सके।

न्यूजीलैंड ने पहले टी20 में श्रीलंका को 8 रनों से हराया

माउंट माउंगानुई । डेरिल मिचेल के 62 और माइकल ब्रेसवेल 59 के अर्धशतकों की सहायाता से मेजबान न्यूजीलैंड की टीम ने श्रीलंका को पहला टी20 मुकाबला जीतने के साथ ही सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। न्यूजीलैंड की टीम ने इस मैच में पहले खेलते हुए 20 ओवरों में 172 रन बनाए थे। इसके बाद खेलते हुए श्रीलंकाई टीम 8 विकेट पर 164 रन ही बना पायी और उसे 8 रनों से हार का सामना करना पड़ा। श्रीलंकाई टीम इस मैच में एक समय जीत की ओर बढ़ रही थी और उसेन 121 रन पर केवल एक विकेट खोया था लेकिन इसके बाद मेजबान टीम के गेंदबाज जैकब डफी ने एक ही ओवर में तीन विकेट लेकर श्रीलंका की बल्लेबाजी ढ़हा दी। श्रीलंकाई टीम ने दबाव के कारण अंतिम 40 गेंदों में ही 8 विकेट खो दिए। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए कीवी टीम की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही टिम रॉबिन्सन 11 और रचिन रवींद्र 8 रनों पर ही आउट हो गये। इसके बाद मार्क चैपमैन 15 तो ग्लेन फिलिप्स 8 रन बनाकर आउट हुए। आधी टीम 65 रन पर ही पेवेलियन लौट गयी। इसके बाद डेरिल मिचेल ने माइकल ब्रेसवेल के साथ 100 रनों से ज्यादा की साझेदारी कर टीम का स्कोर 172 तक पहुंचाया। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंकाई टीम अच्छी शुरुआत के बाद भी जीत नहीं पायी। श्रीलंका की ओर से पाथुम निसांका और कुसल मेंडिस ने अपनी टीम को अच्छी शुरूआत दी और पहले विकेट के लिए 121 रन जोड़े। निसांका ने 90 जबकि मेंडिस ने 46 रन बनाए।

मेलबर्न टेस्ट

तीसरे दिन का खेल खत्म, नीतीश के शतक की बदौलत भारत 9 नौ विकेट पर 358 रन बनाए

भारतीय टीम अभी ऑस्ट्रेलिया से 116 रन पीछे

मेलबर्न

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के तहत खेली जा रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के चौथे मैच के तीसरे दिन का खेल खत्म हो गया है। खेल खत्म होने तक भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में नौ विकेट खोकर 358 रन बना लिए हैं। युवा ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी ने बेहतरीन शतक जड़ा है और वह फिलहाल 176 गेंदों में 10 चौके और एक छक्के की मदद से 105 रन बनाकर नाबाद हैं। उनके साथ मोहम्मद सिराज भी दो रन बनाकर नाबाद हैं। मेलबर्न में खेले जा रहे मैच में ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 474 रन बनाए थे। इस लिहाज से भारतीय टीम अभी भी 116 रन पीछे है।

भारतीय टीम तीसरे दिन आज अपने कल के स्कोर 5 विकेट पर 164 रन से आगे खेलना शुरू किया। ऋषभ पंत और रवींद्र जडेजा ने संभलकर पारी को आगे बढ़ाया। हालांकि पंत टीम के 191 के कुल स्कोर पर बोलैंड का शिकार बने। पंत ने 28 रन बनाए। रवींद्र जडेजा भी 221 के कुल स्कोर पर नाथन लियोन का शिकार बने। जडेजा ने 17 रन बनाए।

नीतीश रेड्डी और वाशिंगटन सुंदर ने दिलाई वापसी-

221 रन पर 7 विकेट खोकर भारतीय टीम मुश्किल में फंस गई थी और ऐसा लग रहा था कि भारत फॉलोआन खेलेगा, लेकिन यहां से नीतीश कुमार रेड्डी और वाशिंगटन सुंदर ने बेहतरीन बल्लेबाजी कर भारत को न सिर्फ फॉलोआन से बचाया, बल्कि मैच में वापसी भी दिला दी। दोनों बल्लेबाजों ने मिलकर पहले पुरानी और फिर नई गेंद को भी संभलकर खेला और भारत के स्कोर को तीन सौ के पार पहुंचाया। नीतीश ने इस दौरान अपना अर्धशतक भी पूरा किया। दोनों खिलाड़ियों ने बेहतरीन बल्लेबाजी की। नीतीश के बाद सुंदर ने भी अर्धशतक जड़ दिया। हालांकि इसके बाद वह ऑउट हो गए। उन्होंने 162 गेंद में 50 रन बनाए। 350 के स्कोर पर भारत को नौवां झटका लगा। जसप्रीत बुमराह खाता खोले बिना आउट हो गए। इसके बाद नीतीश रेड्डी ने शानदार शतक जड़ दिया। उन्होंने 171 गेंद में चौका लगाकर शतक लगाया। यह उनके अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला शतक है। इसके बाद खराब रोशनी की वजह से खेल रोका गया, लेकिन फिर बारिश शुरू हो गई जिसके चलते दिन का खेल खत्म होने की घोषणा कर दी गई।

इससे पहले दूसरे दिन सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल 82 रन, कप्तान रोहित शर्मा तीन, केएल राहुल 24 रन, विराट कोहली 36 रन बनाकर आउट हुए थे। ऑस्ट्रेलिया के लिए पैट कमिंस ने 3, स्कॉट बोलैंड ने 3 और नाथन लियोन ने 2 विकेट लिए।

ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में बनाए 474 रन-

स्मिथ का शतक इसके पहले ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 474 रन बनाए। स्टीव स्मिथ ने 140 रनों की शानदार शतकीय पारी खेली। स्मिथ के अलावा उस्मान ख्वाजा ने 57, मार्नस लाबुशेन ने 72 और सैम कोंस्टास ने 60 रन बनाए। इन चारों के अलावा पैट कमिंस (49) और एलेक्स कैरी (31) ने भी महत्वपूर्ण पारियां खेलीं। भारत की तरफ से जसप्रीत बुमराह ने 4, रवींद्र जडेजा ने 3, आकाशदीप ने 2 और वाशिंगटन सुंदर ने 1 विकेट लिया।

महिला एशेज से बाहर हुईं ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर सोफी मोलिनक्स

मेलबर्न

ऑस्ट्रेलिया की ऑलराउंडर सोफी मोलिनक्स इंग्लैंड के खिलाफ 12 जनवरी से शुरू होने वाले वनडे मैचों के साथ मल्टी-फॉर्मेट महिला एशेज के दौरान एक्शन में नहीं दिखेंगी। मोलिनक्स, जिन्होंने इस महीने की शुरुआत में मेलबर्न रेनेगेड्स को महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) खिताब दिलाया था, घुटने की समस्या से जूझ रही थीं। हाल ही में भारत के साथ सीरीज के बाद उन्हें दर्द हुआ और पिछले हफ्ते न्यूजीलैंड में तीन मैचों की वनडे सीरीज से बाहर हो गईं। अब उन्हें घुटने की सर्जरी करानी होगी, जिससे वह कुछ समय के लिए आराम कर सकेंगी। टीम की फिजियोथेरेपिस्ट केट बीरवर्थ ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के हवाले से कहा, सोफी मोलिनक्स अगले महीने अपने बाएं घुटने की सर्जरी करवाएंगी, जिसके बाद हम वापसी की अनुमानित तारीख के बारे में जानकारी देंगे। ऑस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली भी घुटने की चोट से जूझ रही हैं, जिसके कारण उन्हें भारत के खिलाफ सीरीज से बाहर बैठना पड़ा। वह न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए लौटीं, लेकिन उन्होंने उन वनडे मैचों में विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी नहीं ली - उन्होंने यह जिम्मेदारी बेथ मूनी को सौंप दी। यह देखना अभी बाकी है कि वह एशेज में यह जिम्मेदारी संभालती हैं या नहीं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की परफॉरमेंस हेड (महिला क्रिकेट) और राष्ट्रीय चयनकर्ता शॉन फ्लेगलर ने कहा, एलिसा हीली को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलते हुए देखना सुखद था और वह अच्छी लय में दिखीं, साथ ही कई बल्लेबाजों ने भारत के खिलाफ हाल ही में खेली गई सीरीज से अपनी मजबूत फॉर्म जारी रखी। ऑस्ट्रेलिया ने जॉर्जिया वोल को भी एशेज सीरीज के लिए पहली बार बुलाया है, क्योंकि उसने भारत के खिलाफ तीन मैचों में 173 रन बनाए थे, जिसमें एक शतक भी शामिल है। हीली के बाहर होने के बाद उसे भारत सीरीज के लिए शामिल किया गया था। फ्लेगलर ने कहा, हालांकि जॉर्जिया वोल न्यूजीलैंड के खिलाफ नहीं खेली, लेकिन उसने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शानदार शुरुआत की है और अपनी पहली एशेज सीरीज में जरूरत पड़ने पर वह बल्लेबाजी के लिए मजबूत विकल्प होगी। 12 से 17 जनवरी तक वनडे और 20 से 25 जनवरी तक टी20 मैचों के बाद, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड 30 जनवरी से एमसीजी में एक ऐतिहासिक टेस्ट मैच खेलेंगे। यह इस स्थल पर पहला डे-नाइट मैच होगा और 1948-49 के बाद से यहां पहला महिला टेस्ट होगा। ऑस्ट्रेलिया ने अभी तक इस टेस्ट के लिए टीम की घोषणा नहीं की है।

ऑस्ट्रेलिया टीम (वनडे और टी20): एलिसा हीली (कप्तान), डार्सी ब्राउन, एश्ले गार्डनर, किम गर्थ, ग्रेस हैरिस (केवल टी20), अलाना किंग, फोबे लिचफील्ड, ताहलिया मैकग्राथ (उपकप्तान), बेथ मूनी, एलिस पेरी, मेगन स्कट, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहैम।

स्नूकर मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट

मकाओ में स्नूकर मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट में इंग्लैड के रोनी ओ सुविलियन शॉट खेलते हुए।

प्रीमियर लीग : इप्सविच को हराकर दूसरे स्थान पर पहुंचा आर्सेनल

लंदन

आर्सेनल शुक्रवार को घरेलू मैदान पर संघर्षरत इप्सविच टाउन को 1-0 से हराकर प्रीमियर लीग में दूसरे स्थान पर पहुंच गया।

लिआंड्रो ट्रॉसार्ड के क्रॉस के बाद काई हैवर्टज़ का 23वें मिनट में किया गया टैप-इन, खेल का निर्णायक बिंदु साबित हुआ, जिसमें आर्सेनल ने शुरू से अंत तक अपना दबदबा बनाए रखा, इप्सविच ने खेल के दौरान केवल तीन शॉट ही लगाए, जिनमें से कोई भी निशाने पर नहीं लगा।

हैवर्टज़ ने आर्सेनल की बढ़त को दोगुना करने का मौका गंवा दिया, जबकि गेब्रियल जीसस के एक गोल को ऑफसाइड के कारण रद्द किया गया। अन्य मैचों में ब्राइटन और ब्रेंटफ़ोर्ड का मैच गोल रहित ड्रा रहा। गुरुवार को लिवरपूल ने लीसेस्टर सिटी को घरेलू मैदान पर 3-1 से हराकर अपनी बढ़त मजबूत कर ली, जबकि फुलहम ने चेल्सी को 2-1 से हराकर स्टैमफोर्ड ब्रिज पर 45 वर्षों में अपनी पहली जीत दर्ज की।

नॉटिंघम फॉरेस्ट ने टोटेनहैम को 1-0 से हराकर अपना शानदार सत्र जारी रखा है, जबकि मैनचेस्टर यूनाइटेड की समस्याएं जारी हैं, क्योंकि उसे वोल्वरहैम्पटन वांडरर्स से 2-0 से हार का सामना करना पड़ा, जो इस जीत के साथ अंतिम तीन से बाहर आ गया है।

पीकेएल 11: पटना पाइरेट्स ने दबंग दिल्ली को हराया, फाइनल में हरियाणा स्टीलर्स से होगा सामना

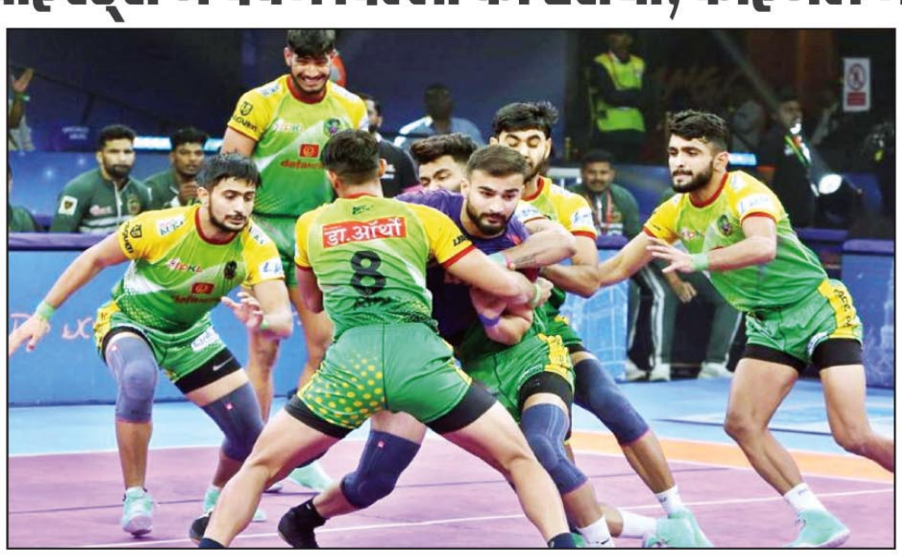

पुणे

पटना पाइरेट्स ने शुक्रवार रात श्री शिव छत्रपति स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, बालेवाड़ी में प्रो कबड्डी लीग सीजन 11 में दबंग दिल्ली के 15 मैचों से चले आ रहे अपराजेय अभियान को रोकते हुए फाइनल में जगह बना ली। पटना ने दिल्ली को 32-28 से हराया।

पाइरेट्स ने मैच की शुरुआत जोरदार तरीके से की और देवांक दलाल और अयान लोहचब की जोड़ी के दम पर दिल्ली पर हमला किया और 10 मिनट के बाद पांच अंकों की बढ़त ले ली। मैट पर आखिरी खिलाड़ी तक पहुंचने के बाद, दिल्ली के सुपर-सब मोहित ने दूसरे चरण के शुरुआती चरण में अपनी टीम को मुकाबले में बनाए रखने के लिए तीन अंकों की रेड की। तीन बार के चैंपियन पाइरेट्स ने आखिरकार दिल्ली पर जोरदार हमला किया, जिससे उनका दबदबा और मजबूत हुआ और 15 मिनट के बाद उनकी बढ़त 12-8 के अंतर तक पहुंच गई। हाफ-टाइम तक पाइरेट्स ने अपने विरोधियों पर सात अंकों की महत्वपूर्ण बढ़त बनाए रखी, जिससे संभावित निर्णायक जीत की स्थिति बन गई। हालांकि, अपने करिश्माई कप्तान से प्रेरित दिल्ली ने शानदार वापसी की। इसके डिफेंस ने भी महत्वपूर्ण योगदान देना शुरू कर दिया, जिससे पाइरेट्स की रेडिंग यूनिट पर भारी दबाव पड़ा। सीजन आठ की चैंपियन दिल्ली ने अपने ऑल-आउट के साथ अंतिम चरण की शुरुआत की, जिससे अंतर नाटकीय रूप से घटकर मात्र एक अंक रह गया। कीमती मिनट बचे होने पर स्कोर 27-27 पर था, जिससे गहन सस्पेंस का माहौल बन गया।

एक महत्वपूर्ण करो या मरो रेड में, अयान ने योगेश पर एक सफल टच किया, जिससे पाइरेट्स को मामूली बढ़त मिली।

इसके बाद उन्होंने गति का लाभ उठाते हुए मैच के अंतिम रेड में दो महत्वपूर्ण अंक हासिल किए, जिससे उनकी टीम की जीत सुनिश्चित हो गई।

दिल्ली के लिए आशु ने नौ अंक लेकर अहम योगदान दिया, जबकि मोहित ने सात अंक बनाकर प्रभावित किया।

हालांकि, इसके डिफेंस ने पाइरेट्स की रेडिंग यूनिट को रोकने के लिए संघर्ष किया, खासकर पहले हाफ में, जो अंततः हार का एक महत्वपूर्ण कारक साबित हुआ।

पटना स्थित इस टीम ने मजबूत डिफेंस का प्रदर्शन किया और 12 टैकल पॉइंट अर्जित किए। लेफ्ट-कॉर्नर डिफेंडर शुभम शिंदे ने डिफेंसिव प्रयासों में पांच अंक का योगदान देकर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पाइरेट्स अब अपने चौथे पीकेएल खिताब के लिए प्रयास करेंगे जब उनका सामना रविवार को ग्रैंड फिनाले में हरियाणा स्टीलर्स से होगा।

टिप्स

घर में राशन कैसे रहे सुरक्षित

घर में राशन ले कर आने के बाद उसे रखने में सावधानी बरतें. अगर राशन सही ढंग से न रखा जाए तो उस में से दुर्गंध आने लगती है, उस में कीट व कीटाणु पनपने लगते हैं और वह खाने के योग्य नहीं रह जाता. इसलिए उस की साफसफाई की तरफ विशेष ध्यान देना जरूरी होता है. राशन की देखभाल कैसे की जाए, बता रहे हैं सरदार बल्लभभाई पटेल एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी के कीट वैज्ञानिक घनानंद तिवारी.

अनाज के शत्रु कीट

खपरा बीटल: यह स्टोर में रखे अनाज का सब से बड़ा दुश्मन है. इस के बच्चे दाने के अंदर के हिस्से को खा कर नुकसान पहुंचाते हैं. प्रभावित अनाज से पाउडर निकलना शुरू हो जाता है.

सूंड़ी: यह दाने में सूक्ष्म छेद कर के इसे खोखला बना देती है.

कैसे पहुंचते कीट स्टोररूम तक

कुछ कीट अनाज, दालों व उन की फलियों पर दिए अंडों के जरिए घरों तक पहुंच जाते हैं. अनाज ढोने के वाहन में छिपे कीट भी आप के स्टोररूम में पहुंच सकते हैं. कई बार पुराने बोरों के प्रयोग से भी कीट अनाज तक पहुंच जाते हैं. स्टोररूम की दीवारों की दरारों और छेदों में घुस कर भी ये अनाज तक पहुंच जाते हैं. अगर आप स्टोररूम में गंदगी रखते हैं, तो कीट बहुत जल्दी वहां पैदा हो जाते हैं.

राशन स्टोर कैसे करें

राशन को स्टोर करने से पहले अनाज के दानों को धूप में अच्छी तरह से सुखा कर साफ कर लेना चाहिए. जिस जगह आप राशन स्टोर कर रहे हैं, वह नमीमुक्त होना चाहिए. भंडारण से पहले ध्यान रखें कि दाने साफ हों व टूटेफूटे न हों. पुराने अनाज में नया अनाज नहीं मिलाना चाहिए. जहां अनाज स्टोर कर रहे हैं, उस जगह की दीवारों में अगर दरारें या छेद हैं, तो सामान रखने से पहले उन्हें सीमेंट से भर दें और पुताई करा दें. स्टील के कंटेनर में सामान भरने से पहले उस में पहले पेंट कर दें, तो सामान पर नमी नहीं आएगी. प्लास्टिक का कंटेनर अनाज रखने के लिए उपयुक्त रहता है. जिस स्थान पर आप कंटेनर रख रहे हैं, वहां पहले चारकोल बिछा लें. इस से अनाज कीड़ों से सुरक्षित रहता है। अनाज को स्टोर करने से पहले स्टोररूम में सेल्फास, डीलोसिया या फिर फौसरौक्सीन का धुआं कर लें. यदि स्टोररूम में पुराने बोरों का प्रयोग करना है, तो इन्हें 1त्न मैराथियान के घोल में 10 मिनट तक डुबो दें और सुखा कर प्रयोग करें. स्टोररूम में रखे अनाज को हर 15 दिन के अंतराल में चैक करते रहें कि वह ठीक है या नहीं. स्टोररूम को बारबार खोलना नहीं चाहिए, लेकिन कुछ दिनों के अंतराल में 1 बार चैक जरूर कर लें. अनाज के बोरों को दीवारों से दूर रखें. अनाज को भरने से पहले चैक कर लें कि उस में 10त्न से ज्यादा नमी न हो. स्टोररूम के आसपास गंदगी न रहने दें. स्टोररूम के खिड़कीदरवाजे अच्छी तरह से बंद होने चाहिए, ताकि चूहे आदि के जानेआने का रास्ता न बन पाए.

रक्षा के घरेलू उपाय

चावल को स्टोर करने के लिए पहले नीम की पत्तियों को छाया में सुखा लें और फिर कंटेनर में नीचे रख दें और फिर चावल भर कर उस के ऊपर और पत्तियां रख दें. इस से कीड़े होने की संभावना कम होती है और अगर कीड़े होते भी हैं तो इन पत्तियों के सेवन से मर जाते हैं. चने, छोलों और गेहूं को धूप में सुखाया जा सकता है, लेकिन चावल को धूप में न सुखाएं वरना वह खराब हो जाएगा. दाल को 2 या 3 महीने के लिए स्टोर करने के लिए उस पर सरसों के तेल की मालिश करें यानी हलके हाथों से हलका सा सरसों का तेल दाल पर लगा दें और फिर धूप में सुखा कर दाल भरें. इस से वह साफ रहेगी.

अच्छी सेहत के लिए जरूरी है हर दिन बस एक कप ग्रीन टी

बदलती लाइफस्टाइल और काम के बढ़ते दवाब के बीच अगर एक कप ग्रीन टी ग्रीन टी ली जाए तो आपके स्वास्थ्य पर सकारात्मक असर पड़ेगा. एक नियत मात्रा में प्रतिदिन ग्रीन टी का सेवन आपकी सेहत के लिए कई तरह से फायदेमंद साबित हो सकता है. कई शोध में भी ग्रीन टी सेहत के लिए फायदेमंद बताया गया है, लेकिन ध्यान रखें कि जरूरत से ज्यादा ग्रीन टी आपके शरीर को नुकसान भी पहुंचा सकती है, इसलिए जरूरी है कि आप अधिक मात्रा में ग्रीन टी का सेवन न करें.

क्या आपको पता है कि ग्रीन टी पीने के अनेक फायदे हैं, आइये जानते हैं इसके असली फायदों के बारे में.

मानसिक शांति

यदि आप पर घर और आफिस मे काम का दबाव होता है और आप कुछ काम करने के बाद ही मानसिक रूप से थकान महसूस करने लगती हैं तो ग्रीन टी आपके इस मानसिक थकान को भगाने के लिए अच्छा रहेगा. ग्रीन टी में थेनाइन तत्व होता है, जिसमें एमिनो एसिड बनता है. एमिनो एसिड शरीर में ताजगी बनाए रखता है और आपको थकावट महसूस नहीं होने देता. जिससे आपको हमेशा ताजगी का एहसास होता है और मानसिक शांति भी मिलती है.

वजन कम करें

वजन कम करने में भी ग्रीन टी काफी हद तक सहायक है. ग्रीन टी पीने से आपके शरीर का मेटाबालिज्म बढ़ता है, जिससे पाचन क्रिया संतुलित रहती है. ऐसा होने से व्यक्ति का अतिरिक्त वजन कम होता है

नार्मल ब्लडप्रेशर

भागदौड़ भरी जिंदगी और आफिस की बढ़ती टेंशन के बीच उच्च रक्तचाप की अक्सर ही लोगों को उच्च रक्तचाप की समस्या का सामना करना पड़ता है. उच्च रक्तचाप आपके शरीर में अन्य कई बीमारियों का कारण भी हो सकता है. इसलिए यदि आपको ब्लड प्रेशर की समस्या है तो रोजाना ग्रीन टी पिए. इसे पीने से आपकी यह परेशानी नार्मल रहेगी. रक्तचाप सामान्य रहने से आपको गुस्सा भी नहीं आएगा.

कोलेस्ट्राल घटाएं

दिल के रोगियों के लिए ग्रीनटी का सेवन बहुत फायदेमंद है. ये शरीर में बेड कोलेस्ट्राल को कम करके गुड कोलेस्ट्राल को बढ़ाने में मददगार होती है. यदि आप आयली भोजन करती हैं तो आपको नियमित रूप से ग्रीन टी का सेवन करना चाहिए.

डायबिटीज में फायदेमंद

यदि आपके शरीर में शुगर लेवल बढ़ रहा है तो ग्रीन टी का सेवन आपको बहुत फायदा पहुंचाता है. इसके अलावा जिन रोगियों को डायबिटीज की दिक्कत हैं तो उन्हें प्रतिदिन सुबह उठकर एक कप ग्रीन टी पीनी चाहिए. यह आपके शरीर में मौजूद शुगर लेवल को कंट्रोल करने में आपकी मदद करता है. मधुमेह रोग से पीड़ित व्यक्ति को भोजन के बाद ग्रीन टी का सेवन करना चाहिए.

त्वचा में चमक

ग्रीन टी में एंटी एजिंग तत्व पाया जाता है जो आपकी त्वचा के लिए काफी फायदेमंद हैं. इसका सेवन करने से आपके चेहरे पर हमेशा चमक और ताजगी बनी रहती है साथ ही चेहरे की झुर्रियां भी कम होती है, इसके अलावा इसे पीने से आप चुस्त-दुरुस्त रहती हैं.

दांतों के लिए वरदान

आजकल युवा और बुजुर्गों में दांतों में पायरिया और केविटी की समस्या तेजी से बढ़ रही है. ग्रीन टी में पाया जाने वाले कैफीन दांतों में लगे कीटाणुओं को मारने में सक्षम होता है. बैक्टीरिया कम होने से आपके दांत लंबे समय तक सुरक्षित रहते हैं. इसलिए अगर आपको दांतो की समस्या है तो रोजाना एक कप ग्रीन टी का सेवन करना न भुलें, इससे आपके मसूड़ो में भी मजबूती आती है.

जानकारी

एनीमिया के इलाज में मदद करेंगे ये घरेलू उपचार

एनीमिया एक रक्त से संबंधित बीमारी है. एक अंदाजे के अनुसार भारत में करीब 60 फीसदी लोगों में एनीमिया पाया जाता है और इसमें ज्यादातर औरतें ही होती हैं. एनीमिया होने पर शरीर में आयरन की कमी हो जाती है और इसके चलते हमारे शरीर में हीमोग्लोबिन बनना भी कम हो जाता है. जब शरीर में हीमोग्लोबिन कम हो जाता है, तो नसों में आक्सीजन का प्रवाह भी कम होता है. इससे शरीर में खून की कमी होने लगती है और शरीर को जरूरी ऊर्जा भी नहीं मिल पाती। एनीमिया के बारे में यह प्रमाणित हो चुका है कि एनीमिया के भी अनेक प्रकार हो सकते है. अगर एनीमिया के शुरूआती चरण में ही इसका उपचार न किया जाये तो यह हृदय के लिए खतरा बन सकती है और उसे क्षति पहुंचा सकती है.

एनीमिया के लक्षण

- हर समय थकान महसूस होना.
- उठने-बैठने पर चक्कर आना.
- त्वचा और आंखों में पीलापन.
- दिल की असामान्य धड़कन.
- सांस लेने मे तकलीफ.
- तलवों और हथेलियों का ठंडा होना

एनीमिया का उपचार

- अगर आप एनीमिया से बचना चाहती हैं या इसके शुरूआती चरण में हैं तो कुछ घरेलू उपायों की मदद से एनीमिया को दूर किया जा सकता है. शरीर के लिए आयरन की सही मात्रा का सेवन बहुत जरूरी है. खास तौर पर महिलाओं और टीनएजर लड़कियों में आयरन की जरूरत अपेक्षाकृत अधिक होती है. इसकी कमी से एनीमिया की आशंका अधिक हो जाती है. ध्यान रखें कि आपका भोजन सभी पोषक तत्वों से भरा और संतुलित होना चाहिए. एनीमिया से बचने और हिमोग्लोबिन की कमी को पूरा करने के लिए आयरनयुक्त भोजन जैसे मछली, घोंघे, दालें, सूखे मेवे, दलिया, हरी पत्तेदार सब्जियां जिनमें पालक प्रमुख हैं.
- किशमिश, मुनक्का और वसारहित मांस का सेवन करें और जरूरत पड़ने पर इसकी मात्रा को बढाएं. इसी के साथ ही आपके शरीर को विटामिन सी की भी भरपूर मात्रा की जरूरत होती है. इसके लिए ब्रोकली, संतरे का रस और स्ट्रोबेरी आदि मुख्य हैं.
- रक्त की कमी को पूरा करने के लिए फोलिक एसिड की उचित मात्रा की आवश्यकता होती है इसके लिए आप फोलिक एसिड से भरपूर आहारों का सेवन कर सकती हैं साथ ही फोलिक एसिड कि टेबलेट भी बाजार में आसानी से उपलब्ध होती हैं.

मौन्ट्रियल बाक फेस्टिवल: जल्दी जाएं और छुट्टियां यादगार बनाएं

क्या आप संगीत प्रेमी हैं, अगर हां तो आज हम आपके लिये ही कुछ खास लाए हैं. आप यहां जाकर संगीत और लाइव कौंसर्ट का आनंद ले सकती हैं. नार्थ अमेरिकन देश कनाडा में द बाक फेस्टिवल का आयोजन भव्य रूप से होता है. हर वर्ष यह त्योहार सर्दियों की शुरुआत में होता है और मौन्ट्रियल में मनाए जाने की वजह से मौन्ट्रियल बाक फेस्टिवल के नाम से जाना जाता है. यह म्यूजिक फेस्टिवल मौन्ट्रियल में स्थापित एक बड़े आर्गनाइजेशन द बाक-अकादमी डे द्वारा आयोजित कराया जाता है.

सुरों का जादू बिखरता है

इस साल यह त्योहार 17 नवंबर से 3 दिसंबर तक मनाया जाएगा. यह त्योहार पूरी तरह से संगीत पर आधारित होता है. यह उत्सव इतिहास के महान संगीतकारों के सम्मान में मनाया जाता है. यहां पर दुनिया भर से संगीत कार अपने सुरों का जादू बिखेरने आते हैं. वैसे तो यहां पर पूरे दिन कार्यक्रम होते हैं लेकिन शाम के समय का माहौल और सहाना हो जाता है.

विशेष व्यवस्था की जाती है

यहां पर संगीत के अलावा और भी दूसरे सांस्कृतिक व शैक्षकि कार्यक्रम होते हैं. द बाक फेसटिवल में यहां पर संगीत प्रेमियों की काफी भीड़ होती है. बच्चों से लेकर बड़े तक यहां पर सभी खूब मस्ती करते हैं. लाइव म्यूजिक को सुनने का जो मजा है वो शायद यहीं मिलता है. इस कार्यक्रम में आने वाले पर्यटकों और दिव्यांगों के लिए विशेष व्यवस्था की जाती है.

सैकड़ों साल पुराना फेस्टविल

आज यह विश्व स्तर के और्केस्ट्रा, गायक और सोलो संगीतकारों को एक जगह एकत्र करने का बड़ा मंच हो गया है. नार्थ अमेरिकन देश कनाड़ा में होने वाला मौन्ट्रियल बाक फेसटिवल को इस साल 150 वर्ष हो जाएंगे. वहीं विश्व स्तर पर संगीत संस्कृति को विरासत के रूप में सहेजने वाले बाक फेस्टविल की शुरुआत 31 अक्टूबर 1517 को हुई थी.

रेसिपी

पिकल्ड बैगन विद ग्रेवी

सामग्री

भरावन के लिए: 1 छोटा चम्मच मेथीदाना, 1 छोटा चम्मच कलौंजी, 1 छोटा चम्मच सौंफ,1 छोटा चम्मच हलदी,1 छोटा चम्मच लालमिर्च, 1 छोटा चम्मच जीरा

500 ग्राम बैगन,1 छोटा चम्मच हलदी,3 बड़े चम्मच तेल, 3 प्याज का पेस्ट , 4 टमाटरों का पेस्ट1 छोटा चम्मच लहसुन व अदरक का पेस्ट, 1/2 छोटा चम्मच हरीमिर्च पेस्ट, 2 छोटे चम्मच टोमैटो कैचअप, नमक स्वादानुसार

विधि

बैगनों को धो कर बीचोंबीच चीरा लगाएं. थोड़ाथोड़ा मसाला सभी बैगनों में भर कर अलग रखें. ग्रेवी बनाने के लिए कड़ाही में तेल गरम कर के लहसुन व अदरक का पेस्ट भूनें. अब प्याज पेस्ट डालें और तेल छोड़ने तक भूनें. टमाटर पेस्ट डाल कर कड़ाही छोड़ने तक भूनें. हलदी व गरममसाला डालें व भूनें. हरीमिर्च व टोमैटो कैचप मिला कर 1 मिनट भूनें. फिर मसाले भरे बैगन ग्रेवी के बीच रख कर सौफ्ट होने तक धीमी आंच पर पकाएं. आंच बंद कर के ढक दें. थोड़ी देर बाद सर्व करें.

चॉकलेट पराठा

सामग्री

चॉकलेट पेस्ट- 1 कप
गेहूं का आटा- 3 कप
तेल
नमक

विधि

एक कटोरे में आटा, नमक और पानी मिला कर नरम गूथ लें. अब गूथे हुए आटे में से थोड़ा सा हिस्सा निकालें और उसे मसल कर बेल लें. बेले हुए हिस्से में चॉकलेट पेस्ट बीच में रख कर फैलाएं. अब आटे को सब तरफ से बंद करें और दुबारा बेलें. फिर गरम तवे पर तेल लगा कर पराठे सेकें. पराठे को दोंनो ओर गोल्डन ब्राउन होने तक सेंके. आपका पराठा सर्व करने के लिये तैयार है.

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)